आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.25
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 343, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 12

- त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

- एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

- तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में, एक्यूआई 303 दर्ज

- सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में रहा एक्यूआई 383 दर्ज किया गया
- 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को और बिगड़ गई व यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया जोकि एक दिन पहले 218 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम चार बजे 303 रहा, जो वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट को दर्शाता है। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 383 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों में यह खराब श्रेणी (300 से नीचे) में रही। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम 5:30 बजे आर्द्रता का स्तर 73 प्रतिशत रहा।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को लागू हो गया। परिवहन विभाग ने प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं। जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं। अनुमानित 50 से 70 हजार वाहन बीएस-4 से कम उत्सर्जन मानकों वाले हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों, बीएस-4 वाहनों, या सीएनजी, एलएनजी एवं बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 17 अक्टूबर को हुई बैठक में शहर में प्रदूषण की समस्या के मद्देनजर दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर एक नवंबर से व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी थी।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी।

श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ। यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। **दाएं** : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को भगदड़ स्थल पर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है : गवई

प्रयागराज, एजेंसी

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में प्रधान न्यायाधीश ने रखे विचार

शीर्ष कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है और भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गवई ने कहा, कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं, लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुताबिक गवई ने कहा कि जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर उच्च न्यायालय होते हुए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। सीजेआई ने नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के अस्थिर लोकतंत्र का उदाहरण देते हुए कोलेजियम प्रणाली को सही ठहराया और कहा कि इस व्यवस्था में नियुक्तियों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के 'इनपुट' शामिल होते हैं और इसके आधार पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है। वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि आंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया और उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर समाज में व्याप्त जाति, लैंगिक और समाज आधारित भेदभाव को समाप्त करने के पक्षधर थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूण भंसाली ने कहा कि बाबासाहेब के लिए, संविधान समाज में व्याप्त असमानता और अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

छोटे, कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन दिनों में मिलेगा जीएसटी पंजीकरण

नई दिल्ली। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्य दिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है।

छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा ऐसे आवेदक जो खुद आकलन करते हैं कि उनकी कर देयता 2.5 लाख रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होगी, वे भी इस योजना के लिए पात्र हैं। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की अपनी बैठक में सरलीकृत पंजीकरण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में स्वैच्छिक रूप से शामिल होने और इससे बाहर निकलने का विकल्प होगा। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि एक नवंबर से शुरू होने वाली सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण योजना से 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

रीवा (मप्र), एजेंसी

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

युवती को बहकाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 30 अक्टूबर की रात 8 :30 बजे ग्राम कासिमपुर निवासी रामचंद्र उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घर में घुसकर युवक से की मारपीट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चुर्रासकतपुर निवासी नन्हेंलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के राजकुमार, श्यामलाल और एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर गाली गलौज की। विरोध करने पर पत्नी व बच्चों से मारपीट की गई। तमंचा तलवार लहराकर धमकाया। पुलिस ने दो नामजद समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज की है।

रॉड मारकर युवक को किया घायल

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्राम रूपपुर कृपा निवासी रंजीत ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 31 अक्टूबर की रात 10 बजे वह अपने घर में बैठा हुआ था। तभी गांव का ही विकास उसके घर पर आकर दरवाजा खटखटाने लगा। जब उसने दरवाजे पर जाकर देखा तो आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। उसके चेहरे पर स्टील की रॉड मार दी। जान से मारने की धमकी देता हुआ आरोपी भाग गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

सास बहु के बीच झगड़े का वीडियो वायरल

पीलीभीत, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर सुनगढ़ी क्षेत्र की एक सास और बहु के बीच हुए विवाद का वीडियो शनिवार को तेजी से वायरल हुआ। जिसमें सास का आरोप था कि उनको जलाकर मारने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि क्षेत्र के एक युवक की संदिग्ध हालात में कुछ माह पूर्व मौत हो गई थी। उसका शव कमरे में लटका मिला था।

श्रीबालाजी बाबा के हवन में उमड़े श्रद्धालु

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर से सटी काशीराम ईदगाह कालोनी स्थित श्रीबालाजी नीम करौली धाम में महंत विशाल सेवक की अगुवाई में शनिवार दोपहर हवन कराया गया। इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए । बाबा के भजनों का गुणगान किया। और परिवार की खुशहाली की कामना की गई। अंत में भक्तों को बाबा का प्रसाद वितरित किया।

सर्वाधिक केंद्र के बावजूद यूपीएसएस की खरीद सुस्त

पिछली साल से बेहतर बताई जा रही स्थिति, 2.45 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 6.46 प्रतिशत हुई धान खरीद

वैभव शुक्ला, पीलीभीत

मंडी समिति पीलीभीत में लगे धान के ढेर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सरकारी धान खरीद को एक माह पूरा हो चुका है। अभी 132 क्रय केंद्रों पर धान खरीदा जा रहा है और 18 नए केंद्र चालू कराने के लिए प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। पिछले वर्ष की तुलना में भले धान खरीद कई गुना अधिक हो चुकी है। मगर, इस बार विवादों का शुरुआत से ही गहरा नाता जुड़ा हुआ है, जो कि अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। लक्ष्य के सापेक्ष 6.46 फीसदी खरीद 31 अक्टूबर तक की जा चुकी है। छह एजेंसियों की क्रमवार बात की जाए तो 35 क्रय केंद्रों के साथ जिलेभर में खरीद कर रही यूपीएसएस का हाल बेहाल है। वह अपने लक्ष्य के सापेक्ष महज पांच फीसदी ही खरीद कर सकी है। खरीदे गए धान के भुगतान को लेकर नजर डालें तो पीसीयू पर सर्वाधिक बकाएदारी है। धान की आवक तेज हैं, लेकिन कम समय में ही धान किसान के पास समाप्त भी हो जाएगा। ऐसे में लक्ष्य तक पहुंचने की चुनौती बरकरार है।

इस बार खरीद का लक्ष्य 2.45 लाख मीट्रिक टन है। जिसके सापेक्ष 31 अक्टूबर तक 15819.10 मीट्रिक टन धान क्रय केंद्रों पर खरीदा जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 6.46 प्रतिशत है। जिम्मेदारों की मानें तो पिछले साल की अपेक्षा अब तक कई गुना अधिक खरीद हो चुकी है। अभी तक 2237 किसानों को क्रय केंद्र पर लाभान्वित किया जा चुका है। एजेंसी वार स्थिति देखी जाए तो यूपीएसएस के सर्वाधिक 35 क्रय केंद्र हैं। 60 हजार मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष अभी महज 5.05 प्रतिशत यानि 3030.7 मीट्रिक टन खरीदा गया है। उस पर भी किसानों का 117.5 लाख रुपये भुगतान लंबित है। पीसीयू के 30 क्रय केंद्रों पर 50 हजार मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 5.37 प्रतिशत 2686.2 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। इस पर किसानों की सर्वाधिक 165.87 लाख रुपये भुगतान की बकाएदारी है। पीसीएफ के 26 क्रय केंद्र हैं। 46 हजार लक्ष्य के सापेक्ष 5.79 फीसदी 2664.9 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। 104.24 लाख रुपये भुगतान बाकी है।

खाद्य विभाग के 32 क्रय केंद्र है। सर्वाधिक लक्ष्य 72 हजार मीट्रिक है। यहां पर अभी 5911 मीट्रिक टन खीद हो सकी है, जोकि लक्ष्य के सापेक्ष 8.21 प्रतिशत हो गई है। सर्वाधिक 811 किसान इससे लाभान्वित हुए हैं। 112.77 लाख का भुगतान देना शेष है। मंडी समिति के चार क्रय केंद्रों पर 11 हजार मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 8.08 फीसदी 888.5 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। भाखानि के 05 क्रय केंद्रों पर छह हजार मीट्रिक टन खरीद के सापेक्ष 10.63 फीसदी 637.8 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। मगर, अभी तक समस्त खरीदे गए धान का भुगतान 151.09 लाख रुपये शेष है। 78 किसानों का धान खरीदा गया है, लेकिन भुगतान नहीं हो सका है। किसान नेताओं की मानें तो खेतों में धान सिमटता जा रहा है, जोकि कुछ समय बाद खेतों से गायब होगा। एक एजेंसी के अलावा कोई दस फीसदी लक्ष्य भी पूरा नहीं कर सका है। कुल 704 .2 लाख रुपये भुगतान शेष है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल 31 अक्टूबर तक खरीद की स्थिति मौजूदा हालात से बदतर थी। पिछले साल अब तक 6694 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था, जबकि इस बार 15819.10 मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। ऐसे में मौजूदा स्थिति के आंकड़े बेहतर मानें जा रहे हैं। फिलहाल मंडियों में अभी भी कहीं वारदाना, तो कहीं धीमी तौल और टोकन सिस्टम को दरकिनार कर खरीद करने का शोर मचा हुआ है।

अब तक खरीदे गए धान की एजेंसीवार स्थिति

एजेंसी	केंद्र संख्या	लक्ष्य (मीट्रिक टन)	खरीद	प्रतिशत
खाद्य विभाग	32	75000	5911	8.21
पीसीएफ	26	46000	2664.9	5.79
यूपीएसएस	35	60000	3030.7	5.05
पीसीयू	30	50000	2686.2	5.37
मंडी समिति	04	11000	888.5	8.08
भाखानि	05	6000	637.8	10.63

किस एजेंसी पर कितना भुगतान बकाया (लाखों में)

खाद्य विभाग	112.77
पीसीएफ	104.24
यूपीएसएस	117.5
पीसीयू	165.87
मंडी समिति	52.73
भाखानि	151.09

● **अब तक लाभान्वित हुए 2237 किसान, सात करोड़ से अधिक शेष है भुगतान**

जिलेभर में शासन की मंशा के तहत क्रय केंद्रों पर धान की खरीद चल रही है। 18 नए क्रय केंद्र भी शुरू कराए जा रहे हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार कई गुना अधिक खरीद की जा चुकी है। 83 प्रतिशत से अधिक भुगतान भी हो चुका है। उठान को लेकर भी प्रक्रिया चल रही है। – **वीके शुक्ला**, डिप्टी आरएमओ

धान का उठान नहीं, पट चुके टिनशेड

मंडी समिति के क्रय केंद्रों पर धान के ढेर लगे हुए हैं। टिनशेड खरीदे गए धान से पट चुके हैं। ऐसे में केंद्रों पर अभी भी तौल के इंतजार में ट्रॉलियों में धान लगा हुआ है। मगर, उठान की व्यवस्था न होने से अव्यवस्था बन रही है। हालांकि अधिकारियों की मानें तो जल्द ही उठान शुरू होगा। किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। सरकारी क्रय केंद्रों पर धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये हैं। मंडियों में धान का रेट 1800 –1850 के आसपास चल रहा है। कुछ ढेरियों को छोड़ दिया जाए तो दो हजार रुपये प्रति क्विंटल का दाम चंद किसानों को ही मिल सका। ऐसे में कीमत में काफी अंतर है। धान की नमी भी अब मानक के अनुरुप ही है। ऐसे में क्रय केंद्रों पर आगे भी खरीद में उछाल की उम्मीद जताई जा रही है।

शाहजहांपुर में रुकेगी वंदे भारत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शाहजहांपुर स्टेशन पर ठहराव किए जाने पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय शाहजहांपुर जनपद के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है। अब जिले से लखनऊ और सहारनपुर की यात्रा कम समय में, अधिक आरामदायक और सुरक्षित तरीके से पूरी की जा सकेगी।

जितिन प्रसाद ने कहा कि रेल मंत्री निरंतर उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि शाहजहांपुर के विकास के लिए विशेष ध्यान दे रहे हैं, जो अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लोगों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह ट्रेन शाहजहांपुर सहित आसपास के जिलों के यात्रियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी साबित होगी। इससे व्यापार, शिक्षा और पर्यटन को नई गति मिलेगी तथा जिले के विकास में तेजी आएगी। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे आधुनिक और स्वदेश निर्मित अर्ध-हाईस्पीड ट्रेन है, जो 160 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चल सकती है।

पंजाबी गायक गुरदास मान को देखने उमड़ी भीड़

संवाददाता, अमरिया

● **समाजसेवी रक्षपाल सिंह पाली की बरसी में शामिल होने पहुंचे**

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव कटमटा कटमटी में सरदार रक्षपाल सिंह पाली की बरसी के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। चार दिन पहले उनके निवास पर धार्मिक आयोजन कर भोग डाला गया था।

शनिवार को पंजाबी गायक गुरदास मान ने इसकी शुरुआत अखंड पाठ से कराई। देर सायं तक धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सरदार रक्षपाल सिंह पाली गांव कटमटा कटमटी के निवासी थे। वह एक बड़े फार्मर होने के साथ साथ समाजसेवी भी थे। पिछले वर्ष उनका निधन हो गया था। परिवार में पत्नी चरनजीत कौर के अलावा दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र मंजीत सिंह ग्रेवाल चंडीगढ़ में रहकर व्यवसाय करता है, जबकि छोटा पुत्र रविन्द्र ग्रेवाल आस्ट्रेलिया में प्राइवेट संस्थान में नौकरी कर रहा है। गुरदास मान को देखने के लिए भीड़ लगी रही। बतौर अतिथि किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत, प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान सुरक्षा इंतजाम सख्त रहे।

दशरथ कैकेई संवाद का मंचन किया

बिलसंडा, अमृत विचार: कस्बे में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने दशरथ कैकेई संवाद का मंचन किया। कैकेई ने राजा दशरथ से दो वरदान मांगे। मंचन में जैसे ही राजा दशरथ भगवान श्री राम के राज्याभिषेक की घोषणा करते हैं। दासी मंथरा कैकेई के कान भरती हैं और भरत को राजा बनाए जाने की बात कहती है। मंथरा के भड़काने पर कैकेई कोप भवन में चली जाती हैं। राजा दशरथ उन्हें मनाने कोप भवन में जाते हैं। रानी कैकई देवासुर संग्राम में दिए वचनों को याद दिलाती हैं। पहले वरदान में भरत को राजगद्दी और दूसरे वरदान में राम को चौदह वर्ष का वनवास मांगती हैं। लीला देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

ठगी कर भागे आढ़ती और मुनीम पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **शाहजहांपुर के दो किसानों की ओर से दी गई तहरीर पर सुनगढ़ी पुलिस ने की कार्रवाई**

● **दोनों से अक्टूबर माह में आरोपी ने खरीदा था धान, बिना भुगतान के हो गया फरार**

अमृत विचार: किसान-व्यापारियों की करोड़ों की रकम हड़पकर परिवार समेत भागे आढ़ती पर कानूनी शिकंजा कसने लगा है। कई दिन से चल रही जांच के बीच अब शाहजहांपुर के दो किसानों की ओर से दी गई संयुक्त तहरीर पर संबंधित आढ़ती व उसके मुनीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम संडा खास निवासी किसान संदीप कुमार की ओर से सुनगढ़ी थाने में तहरीर दी गई। जिसमें बताया कि उसने गांव के ही हरीश कुमार उर्फ मुन्नू ने पीलीभीत मंडी समिति में बालमुकुंद राममूर्ति आढ़त के प्रोपराइटर प्रियांशु अग्रवाल और उसके मुनीम अरुण कुमार को धान बेचा था। 7 अक्टूबर 2025 को हरीश ने 140 क्विंटल धान 1910 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिया। वहीं, संदीप ने 17 अक्टूबर और 19 अक्टूबर को 1280 रुपये में धान उक्त आढ़त पर दिया था। आढ़ती को कॉल कर संपर्क किया तो टालमटोल करने लगा। इसके बाद अपने धान की रकम पाने के लिए मंडी आढ़त पर आकर संपर्क करना चाहा तो पता चला कि उक्त आढ़ती मंडी छोड़कर भाग गया है, जो कई किसानों के करीब आठ करोड़ से अधिक रकम लेकर गायब हो गया है। उसका मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ आ रहा है। सुनगढ़ी पुलिस ने इस मामले में प्रियांशु अग्रवाल और उसके मुनीम अरुण कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। वहीं, आरोपी की लोकेशन के बारे में भी छानबीन कराई जा रही है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। विवेचना कराई जा रही है।

कई पीड़ित अभी कार्रवाई को कर रहे इंतजार

आढ़ती के फरार होने के बाद आढ़त के लाइसेंस का निलंबन किया जा चुका है। वहीं, खाद्यान्न आढ़ती कल्याण समिति की ओर से भी कृत्य की निंदा करते हुए उसे निष्कासित कर दिया था। आढ़तियों का भी करीब 75 लाख रुपये है। वहीं, कई अन्य लोग भी ठगी का शिकार हो गए हैं। मगर, अभी कार्रवाई के लिए खुलकर आगे नहीं आए हैं। आरोपी के रिश्तेदारों से संपर्क कर बिना पुलिस कार्रवाई के रुपये वापस पाने की जुगत में लगे हुए हैं। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

डीएम के सामने आईं 34 शिकायतें, 2 का निस्तारण

सदर तहसील में जनसुनवाई करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस सदर तहसील में हुआ। सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक फरियादियों को सुना गया। इस दौरान 34 शिकायतें प्राप्त हुई और महज दो का ही निस्तारण किया जा सका। डीएम ने कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्ता परक ढंग से निस्तारण करें। अधिकारी स्वयं शिकायतों के निस्तारण के लिए मौका मुआयना करें। दोनों पक्षों को बुलाकर निस्तारण कराएं। अगर कहीं विवाद की स्थिति है तो पुलिस को साथ लेकर जाएं। इसके अलावा अन्य तहसीलों पर भी फरियादियों की सुनवाई चली लेकिन निस्तारण नाममात्र का ही हो सका। इस मौके पर डीडीओ संजय कुमार, एसडीएम श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, डीआईओएस राजीव कुमार, बीएसए अमित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

हेल्पलाइन नंबर की दी गई जानकारी

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को करेली थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर/मिशन शक्ति टीम के साथ जागरूकता कार्यक्रम किया। महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए जागरूक किया। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, पुलिस आपातकालीन सेवा -112, स्वास्थ्य सेवा-102,108, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 व साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। जागरूकता वाले पंपलेट भी बांटे गए। रामप्यारी मथुरा प्रसाद इंटर कॉलेज में छात्र/छात्राओं को नये कानूनों एवं पुराने कानूनों के मध्य अंतर, नई जोड़ी गई धाराओं आदि के बारे में बताया गया।

अयोग्यों को मतदाता बनाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

ज्ञापन देने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे सपा नेता। ● अमृत विचार

● **बरेली–मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में गड़बड़ियों का लगाया आरोप**

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी की समीक्षा बैठक में मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सक्रिय भागीदारी निभाने पर जोर दिया गया। वहीं, मुख्य निर्वाचन आयोग को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

सपा कार्यकर्ताओं की बैठक जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में शनिवार सुबह हुई। जिसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के समस्त बूथों पर बीएलए जल्द से जल्द नियुक्त करने और बीएलओ से समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची को व्यवस्थित कराने पर जोर दिया गया। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सक्रियता बरतने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर मौजूद एसडीएम को सौंपा गया। इसमें कहा कि बरेली-मुरादाबाद खंड के अंतर्गत आने वाले जनपद - बिजनौर, बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, अमरोहा, बदायूं, शाहजहांपुर, संभल और रामपुर में निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के कर्मचारी, लिपिक, चौकीदार, लैब असिस्टेंट, मेडिकल स्टाफ आदि को शिक्षक बताकर अवैध रूप से मतदाता बनाया जा रहा है, जो कि निर्वाचन आयोग के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। उच्च स्तरीय समिति गठित कर जांच कराने की मांग की गई। इस मौके पर जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर, युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, दिव्या गंगवार, मखदूम खान, अमित पाठक एडवोकेट, गयासुद्दीन, रियाज़ खां, नरेश कुमार सागर समेत अन्य रहे।

मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने गोद लिए तीन-तीन परिवार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **प्रधान ने विद्यार्थियों को चयनित परिवारों से कराया परिचय**

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशित एमबीबीएस 2025 बैच के विद्यार्थियों की ओर से ग्राम खाग के परिवारों को गोद लेने का की कवायद की गई। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के निर्देशों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए ऐसा कराया गया।

प्रत्येक विद्यार्थी को तीन-तीन परिवार गोद लेने का दायित्व सौंपा गया। जिसके माध्यम से वे ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे। नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान करेंगे। संचालन सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सिंह ने किया। सहायक आचार्य डॉ. पूजा सिंदवानी, डॉ. शोभित सिंह, डॉ. कौस्तव हलदार ने ग्राम प्रधान के सहयोग से विद्यार्थियों का चयनित परिवारों से परिचय कराया।

गांव के प्रथम भ्रमण पर विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ सहभागिता की। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ जुड़कर सीखना ही सच्ची चिकित्सा सेवा का आधार है। विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण परिवारों को गोद लेने की यह पहल उन्हें न केवल संवेदनशील चिकित्सक बनाएगी, बल्कि समाज में स्वास्थ्य जागरूकता की मजबूत नींव भी डालेगी।

12 करोड़ से क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की होगी मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद पीडब्ल्यूडी ने दी स्वीकृति**

● **अभी तक अस्थायी इंतजाम कर कराया जा रहा था आवागमन, जल्द मिलेगी राहत**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता एवं विकासोन्मुख दृष्टिकोण ने देश –प्रदेश को नई दिशा दी है। पीलीभीत में पुल एवं पुलियों के निर्माण से ग्रामीण अंचलों में बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। किसानों, छात्रों एवं आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। भविष्य में भी केंद्र सरकार और राज्य सरकार जनपद के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।

– **जितिन प्रसाद**, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद

अमृत विचार: बीते साल जुलाई में आई बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त हुई पुलियां और सड़कों का जल्द सुधार हो सकेगा। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद शुक्रवार को कुल नौ क्षतिग्रस्त पुलियों/मार्गों की स्वीकृति लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी कर दी गई है। इनका सुधार कार्य 12 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा।

बता दें बीते साल जुलाई में पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद नदियों का जलस्तर बढ़ा और बाढ़ के हालात बन गए थे। इससे काफी नुकसान भी पहुंचा। खासकर आवागमन को लेकर कई जगह पुलियां और मार्ग क्षतिग्रस्त होने से दिक्कत अधिक आई। जिसका लंबे समय से सुधार नहीं हो सका था। प्रतिदिन बड़ी संख्या लोगों के आवागमन के बाद भी दिक्कत बनी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने लोक निर्माण विभाग को संबंधित बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलियों और मार्गों का सुधार कराने के निर्देश दिए गए थे। अभी तक वैकल्पिक व्यवस्था कुछ जगह कर दी गई थी लेकिन अब केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रयासों के बाद लोक निर्माण विभाग से स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। जिसे क्षेत्रीय लोगों के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री का आभार भी जताया।

इन नौ स्थानों पर कराया जाएगा काम : 12 करोड़ रुपये की लागत से अब नौ स्थानों पर काम कराया जाएगा। इसमें प्रमुख रुप से बरखेड़ा दौलतपुर उद्यनपुर सुहास मार्ग किमी चार के हिस्से में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई पुलिया, सतरपुर से पौटा कलां जाने वाले मार्ग पर सड़ा नाला के पास, नगरिया फतेहपुर के निकट पुराने बीसलपुर मार्ग पर देवहा नदी पुल के अतिरिक्त पहुंच मार्ग के हिस्से, देवहा नदी पुल की अतिरिक्त पहुंच मार्ग पर, बरेली बीसलपुर मार्ग के 31 किमी से भैंसठा जलालपुर मार्ग के किमी दो के हिस्से में पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा पूरनपुर -कलीनगर मार्ग पर दस किमी के क्षेत्र में लघु सेतु, पहुंच मार्ग, दियोरियाकलां -पूरनपुर मार्ग से मटैना ताल्लुके घुघचिहाई संपर्क मार्ग के किमी दो में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए मार्गों पर मरम्मत काम होगा। इसके अलावा अन्य मार्गों पर भी काम होगा। बता दें कि बाढ़ के बाद अस्थायी रुप से मरम्मत कार्य कराकर इन पर आवागमन चालू कराया गया था लेकिन अब स्वीकृति के बाद जल्द ही यातायात सुगम हो सकेगा।

दुकानों पर एक्टिव रखें सीसीटीवी

पीलीभीत, अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव के निर्देशन में शनिवार को सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने थाना अमरिया क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान कस्बा अमरिया में अपराध नियंत्रण, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा इंतजाम चेक किए।

मुख्य मार्गों, बाजार और अन्य भीड़ वाले क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखते हुए पेट्रोलिंग पर जोर दिया गया। व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया। सतर्कता बरतने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। दुकानों पर सीसीटीवी एक्टिव रखने पर जोर दिया।

पूरनपुर मंडी में तौल हो रही बाधित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर मंडी में संबंधित क्रय केंद्रों पर सुबह के वक्त तौल बंद होने से पसरा सन्नाटा।

● **क्रय केंद्र प्रभारियों में नाराजगी तहरीर देने की कही बात**

अमृत विचार: धान खरीद के बीच पूरनपुर मंडी में किसान नेताओं और क्रय केंद्र प्रभारियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर बना हुआ है। एक दिन पूर्व हुए विवाद को लेकर दूसरे दिन शनिवार को भी एक एजेंसी के 10 क्रय केंद्रों पर दोपहर तक तौल बाधित रही। क्रय केंद्र प्रभारियों की ओर से कोतवाली में तहरीर देने की बात भी कही गई है। हालांकि पुलिस अनभिज्ञता जता रही है।

पूरनपुर मंडी में शुक्रवार को एक क्रय केंद्र प्रभारी और एमओ से एक किसान नेता का विवाद हो गया था। बताते हैं केंद्र पर एक किसान के धान का ढेर लगवाए जाने के बाद कहासुनी शुरू हुई। केंद्र प्रभारियों पर आरोप है कि वह बिना टोकन सिस्टम से धान की तौल करा रहे हैं। किसान को परेशान किया जा रहा है। इधर, केंद्र प्रभारियों का कहना है कि मंडी समिति पूरनपुर में स्थापित क्रय केंद्रों पर आए दिन अवांछित लोगों द्वारा धान क्रय केंद्र पर लाकर अभद्रता की जा रही है। अभिलेखों से भी छेड़खानी की जाती है। सरकारी कार्य में बाधा डाली जा रही है। टोकन व्यवस्था को तोड़ते हुए निमय विरुद्ध तरीके से तत्काल तौल कराने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में हमले का भय बना हुआ है। ये भी कहा कि पूर्व में भी एक व्यक्ति केंद्र पर मौजूद स्टाफ से अभद्रता कर चुका है। शुक्रवार को भी क्रय केंद्र पर एक किसान का धान गिराया गया तो कुछ लोग भिड़ गए। खाद्य विभाग के सेंटरों पर तौल का कार्य ठीक से चल रहा है लेकिन अराजक तत्व बाधा डाल रहे हैं। ऐसे में अनावश्यक लोगों के प्रवेश पर रोक लगाते हुए केंद्र प्रभारियों को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की गई।

शहर में आज

- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरुकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- मझोला चीनी मिल खेल मैदान पर फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत दोपहर 2 बजे से।
- समस्त सीएचसी-पीएचसी पर जनआरोग्य मेला सुबह 9 बजे से।
- गायत्री शक्तिपीठ पर साप्ताहिक यज्ञ सुबह 7 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5.30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

यज्ञ में श्रद्धालुओं ने दी आहुतियां

बीसलपुर, अमृत विचार : देवउठनी एकादशी क्षेत्रभर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। लोगों ने घरों के आंगन में चौक व रंगोली बनाकर गन्ने का पूजन किया। भगवान विष्णु की आरती कर व्रत कथा सुनाई। गायत्री शक्तिपीठ में यज्ञ कराया गया। जिसमें श्रद्धालु शामिल हुए और आहुतियां दी। लोक कल्याण की कामना की गई। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यज्ञ राजेन्द्र कुमार ने कराया। गोष्ठी का संचालन मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने किया। नवदुर्गा मंदिर के प्रबंधक वीनेश रस्तोगी ने श्रद्धालुओं को निशुल्क गन्ने का वितरण किया।

चौराहे पर बुलाकर युवक की पिटाई

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के विश्वनाथपुरम कॉलोनी निवासी वरुण मौर्य ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 30 अक्टूबर की शाम को वह एक रेस्टोरेंट में अपने दोस्त वसुंधरा कॉलोनी निवासी अभय के साथ गए थे। वहां पर खाने का आर्डर दिया था। जिसको लेकर सुजात पुत्र नफीस निवासी कांशीराम कॉलोनी से गाली गलौज हो गई। लोगों ने समझाबुझाकर वहां पर मामला शांत कर दिया था। इसके बाद सुजात ने बेलों वाले चौराहे पर उसी दिन रात में सवा आठ बजे बुलाया। जब वह वहां पहुंचे तो सुजात के साथ अशफाक और एक अन्य साथी भी मौजूद थे। आरोपियों ने हमला कर पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

श्रीगुरु गोविंद सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट आज

मझोला, अमृत विचार : चीनी मिल खेल मैदान पर गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिवस पर अंतर-राज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन रविवार को होगा, जो 10 नवंबर तक चलेगा। इसमें यूपी उत्तराखंड और नेपाल की टीमें हिस्सा लेंगी। बनारस, हरिद्वार, रामपुर बनवसा, लखीमपुर, गोला, सिंघाई आदि की टीमे आ रही है। दोपहर दो बजे इसका उद्घाटन होगा।

शिकारियों के जाल में फंसा एक और तेंदुआ, ट्रेंकुलाइज कर किया रेस्क्यू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीटीआर के बाहर शिकारियों की दस्तक बढ़ती जा रही है। करीब माह भर पहले फंदे में तेंदुआ के फंसने की घटना के बाद शनिवार सुबह एक और तेंदुआ शिकारियों के लगाए गए फंदे में फंस गया। अधिकारियों के निर्देश पर पहुंची टीम ने लोहे के फंदे में फंसे तेंदुए को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया। रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को सामाजिक वानिकी मुख्यालय लाया गया। जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वन अफसरों के मुताबिक तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ बताया जा रहा है।

घटना शहर से सटे मरौरी ब्लॉक के गांव लदपुरा में शनिवार सुबह हुई। यहां सुबह 8.15 बजे असम हाईवे से निकले नवनिर्मित टनकपुर बाईपास से जा रही एक चकरोड पर ग्रामीण रोजाना की तरह खेतों की ओर से जा रहे थे। तभी ग्रामीणों की निगाह चकरोड पर पड़ी। चकरोड पर कुछ कुत्ते एक तेंदुआ पर भौक रहे थे। ग्रामीणों ने जब कुछ नजदीक जाकर देखा तो उसका अगला बायां पैर फंदे में फंसा हुआ और वह बार-बार फंदे से निकलने की कोशिश में लगा हुआ था। तेंदुआ के फंदे में फंसे होने की जानकारी लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, इसकी जानकारी वन महकमे को दी। वहीं मौके पर धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती चली गई। कुछ देर बाद ही सामाजिक वानिकी प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके टीम के साथ मौके पर जा पहुंचे। डीएफओ ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की तो तेंदुआ का अगला एक पैर फंदे में जकड़ा पाया गया। फंदे में फंसे तेंदुआ को सामान्य तरीके से रेस्क्यू न होता देख डीएफओ ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को देते हुए उसे ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू करने की अनुमति मांगी। उच्चाधिकारियों ने भी मौके पर नजाकत का अंदाजा लगाते हुए तत्काल तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू करने की अनुमति दे दी।

मौके पर जुटी भीड़ का नियंत्रित करती पुलिस। ● अमृत विचार

ट्रेंकुलाइज करने के बाद पिंजड़े में कैद तेंदुआ।

- मरौरी ब्लॉक के लदपुरा गांव के समीप शनिवार सुबह हुई घटना
- करीब 30 मिनट चला रेस्क्यू ऑपरेशन सामाजिक वानिकी मुख्यालय लाया गया तेंदुआ

ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट ने पहली डॉट में किया बेहोश

सूचना पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार पहुंच गए। डीएफओ ने एक्सपर्ट के साथ स्थिति का जायजा लिया। पाया गया कि तेंदुआ के अगले बाये पैर की तीन ऊंगलियां लोहे के तार से बने फंदे में जकड़ी थी। पुवाल के ढेर के बीच फंदे में फंसा तेंदुआ आजाद होने के लिए छटपटा रहा था। ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट ने सभी परिस्थितियां जांचने के बाद पूर्वान्ह करीब 11 बजे पहली डार्ट में ही तेंदुआ को बेहोश कर दिया। करीब 20 मिनट के इंतजार के बाद टीम ने बेहोश पड़े तेंदुआ को रेस्क्यू कर पिजड़े में कैद कर सामाजिक वानिकी प्रभाग के मुख्यालय लाया गया। डॉ. दक्ष गंगवार द्वारा तेंदुआ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वन अफसरों के मुताबिक मादा तेंदुआ की उम्र करीब पांच से साढ़े पांच साल है। फिलहाल वन अफसर उसके शरीर में किसी भी तरह की चोट न होने और उसके स्वस्थ होने की बात कह रहे हैं।

> तेंदुआ को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। इस मामले में विभागीय स्तर से जांच की जा रही है। तेंदुआ को रेस्क्यू किए जाने की सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तेंदुआ को सुरक्षित छोड़ने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - **भरत कुमार डीके,** डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग।

माह भर पहले भी तेंदुआ को किया था रेस्क्यू

26 सितंबर को कलीनगर तहसील क्षेत्र के नगरिया कट के समीप एक तेंदुआ फंदे में फंस गया था। उस समय करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। उसके बाद रेस्क्यू तेंदुआ को पीटीआर मुख्यालय लाया गया था, वहां देर रात उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में 6 आरोपियों के विरुद्ध विभागीय केस भी दर्ज किया गया था। मगर एक भी आरोपी को नहीं पकड़ा जा सका है। 17 अक्टूबर को रुटीन गश्त के दौरान बराही रेंज की टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र में एक खेत में 75 रेशम के फंदे बरामद किए थे। इस मामले में एक आरोपी को भी हिरासत में लिया था।

24वें दिन भी जारी रही अधिवक्ताओं की हड़ताल

अमरिया, अमृत विचार : तहसील में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाते हुए एसडीएम और पेशकार के स्थानांतरण की मांग को लेकर चल रही क्षेत्र के अधिवक्ताओं की हड़ताल 24वें दिन शनिवार को भी जारी रही। बैठक कर अधिवक्ताओं ने अग्रिम रणनीति को लेकर चर्चा की। अधिवक्ताओं का कहना है कि वह तीन बार डीएम से मुलाकात कर शिकायत रख चुके हैं लेकिन संज्ञान नहीं लिया गया। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को भी गत दिनों ज्ञापन दे दिया गया था। अधिवक्ताओं का कहना है कि क्षेत्र के लोगों का तहसील स्तर पर शोषण किया जा रहा है। इस मौके पर हबीब खां, शेखर त्यागी, एमएम मदार, मोहम्दम तनवीर अंसारी, इलियास खां, हसनैन मलिक, सुंदर लाल चतुर्वेदी, निरंजन लाल, गुलाबुल हसन, छत्रपाल, शांति स्वरुप गंगवार, महिपाल गंगवार, शिवचरण आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

साढ़े चार माह बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व में लौटी रौनक

बराही रेंज में गेस्टहाउस परिसर में हवन पूजन के साथ नए पर्यटन सत्र की हुई शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में साढ़े चार माह के सन्नाटे के बाद शनिवार को रौनक लौट आई। शनिवार को बराही रेंज स्थित वन विश्रामगृह में हवन पूजन के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के 12वें पर्यटन सत्र की शुरुआत हुई। वन मंत्री ने नए बराही गेट का उद्घाटन किया और सफारी वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना कराया। पहले दिन स्कूली बच्चों समेत 500 से अधिक सैलानियों ने निशुल्क सफारी वाहनों से चूका बीच तक सैर की। पर्यटन सत्र के पहले दिन सैलानियों में खासा उत्साह देखा गया।

देश-दुनिया में बाघों के मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व शनिवार को सैलानियों के खोल दिया गया। इसके लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन पिछले कुछ दिनों से तैयारियों में जुटा हुआ था। इस बार बराही रेंज स्थित गेस्ट हाउस परिसर में हवन पूजन के साथ नए पर्यटन सत्र की विधिवत रूप से शुभारंभ किया। हवन पूजन के दौरान वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, मुख्य सचिव वन अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव अनुराधा वेमुरी, मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह, एफडी रमेश चंद्रा, डीएम ज्ञानेंद्र सिह, सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, एएसपी विक्रम दहिया, डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह मौजूद रहे।

वन मंत्री ने कहा कि टाइगर रिजर्व में नया बराही पर्यटन गेट खुलने से दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों को आसानी होगी और आसपास रहने वाले लोगों को रोजगार मिलेगा। कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि टाइगर रिजर्व घूमने के लिए आसपास के रहने वाले लोगों की सफारी गाड़ियों को प्राथमिकता दी जाए। चालक एवं गाइड के लिए स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण दिया जाए। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए सामान की बिक्री के लिए एक काउंटर दिए जाने की बात कहीं, ताकि अन्य प्रदेशों से आने वाले पर्यटक स्थानीय उत्पादों को जानें और उनकी खरीदारी करें। इस दौरान वन मंत्री ने परिसर में पौधारोपण किया। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामानों को देखा एवं जानकारी प्राप्त करते हुए उनके उत्पादों की प्रशंसा की। वन मंत्री ने नए बराही पर्यटन केंद्र का उद्घाटन किया। पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान द्वारा नारियल फोड़ने के बाद वन मंत्री ने एक सफारी वाहन को झंडी दिखाकर सफारी वाहनों के संचालन की शुरुआत कराई। स्कूली बच्चों समेत अन्य लोग सफारी वाहनों पर सवार चूका बीच पहुंचे। पहले दिन समारोह में मौजूद लोगों को निशुल्क सफारी वाहनों से सैर कराई गई। सफर को यादगार बनाने के लिए विभाग की ओर से चूका बीच में सोबेनियर शॉप भी खोली गई। यहां सैलानियों ने वाइल्ड लाइफ से जुड़ी टीशर्ट, कैप और अन्य सामान की खरीदारी की। सफारी के दौरान सैलानियों को हिरन, जंगली सुअर, मोर समेत अन्य वन्यजीवों के दीदार हुए। पुष्प इंस्टीट्यूट के डॉ. एसपीएस संधू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी पीटीआर रमेश चौहान, क्षेत्रीय वनाधिकारी बराही रेंज अरुण मोहन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

नए पर्यटन सत्र का फीता काटकर शुभारंभ करते वन मंत्री, साथ में विधायक बाबूराम पासवान, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- वनमंत्री ने झंडी दिखाकर वाहन किए रवाना, पहले दिन सैलानियों ने मुफ्त में की जंगल की सैर

लोगों में सेल्फी का रहा खासा क्रेज

चूका बीच में सैलानियों में सेल्फी लेने का खासा क्रेज देखा गया। अधिकांश सैलानी चूका बीच में हरी-भरी वादियों के साथ सेल्फी लेते देखे गए। इसमें परिवार समेत आए सैलानी भी पीछे नहीं रहे। कोई शारदा सागर डैम के नजदीक तो कोई वाटर हट पर सेल्फी लेते देखा गया।

बाइफरकेशन से वापस कराई निजी गाड़ियां

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के पहले दिन वीआईपी कल्चर हावी रहा। पर्यटन सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान बाघ संरक्षण प्राधिकरण के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। दरअसल सफारी वाहनों के साथ ही तमाम प्राइवेट गाड़ियां भी जंगल मार्गों पर सरपट दौड़ गई। आरोप यह भी है कि सफारी वाहनों को रोककर प्राइवेट गाड़ियों को जंगल के अंदर रवाना किया गया। इस दौरान कुछ वन अफसर भी मौजूद रहे। ऐसे में वन्यजीवों की सुरक्षा पर भी सवालियां निशान खड़े हो रहे हैं। हालांकि बताते हैं कि नए बराही गेट से जंगल में रवाना हुई प्राइवेट गाड़ियों को बाइफरकेशन पुल पर रोक दिया गया। इसमें कुछ स्थानीय नेताओं की गाड़ियां भी थीं। इस संबंध में मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह ने बताया कि उद्घाटन समारोह में गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था। इसके चलते कुछ निजी वाहन भी जंगल में गए हैं। इस मामले को दिखवाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों ने लिया सफारी का आनंद

वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, मुख्य सचिव वन अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, डिप्टी डायरेक्टर समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी सफारी वाहनों से चूका बीच पहुंचे। चूका बीच पहुंचे जनप्रतिनिधियों और अफसरों ने यहां बनी हटों समेत अन्य खूबसूरत नजारों के करीब से देखा। वहीं कुछ जनप्रतिनिधियों ने स्कूली बच्चों के साथ भी फोटो खिंचवाए।

कब्र से निकाले शव के अवशेष

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: किशोरी से दुष्कर्म कर गर्भपात कराने के मामले में नया मोड़ आया है। अधिकारियों की मौजूदगी में टीम ने गड्ढा कर दफनाए गए नवजात के शव के अवशेष बरामद किए हैं। फॉरेंसिक टीम बुलाकर कार्रवाई कराई गई।

एक किशोरी ने सप्ताह भर पूर्व कोतवाली में तहरीर दी थी। जिसमें बताया था गांव के सतीश ने उसे बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाया और दुष्कर्म किया। वह गर्भवती हो गई तो अपने साथियों की मदद से उसका गर्भपात करा दिया। आरोप लगाया था कि शिशु का शव गांव में गड्ढा खोदकर दफनाया गया था। मामले की भनक जब किशोरी के पिता को लगी तो लोकलाज के कारण जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद किशोरी ने 24 अक्टूबर को कोतवाली पुलिस में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने गांव के सतीश कुमार, नीरज पत्नी सतीश कुमार, शिवानी और ओम सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सीओ प्रगति चौहान, कोतवाल संजीव शुक्ला, नायब तहसीलदार अवधेश कुमार की मौजूदगी में फॉरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंचकर आरोपी की निशानदेही पर दफनाए गए शव के अवशेष बरामद कर लिए।

मौके पर शिशु के अवशेष बरामद करने पहुंची सीओ प्रगति चौहान। ● अमृत विचार

- दुष्कर्म के आरोपी को रिमांड पर लेने के बाद की गई कार्रवाई

संदिग्ध हालात में युवती की मौत, फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना के वक्त युवती घर पर अकेली थी, जबकि उसके माता-पिता दवा लेने बाजार गए थे। सूचना पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के मुसरहा गांव निवासी मोतीराम ने बताया कि उनकी पत्नी कमला देवी लंबे समय से बीमार चल रही हैं। शनिवार को पत्नी के साथ वह दवा लेने के लिए शाही गांव गए हुए थे। घर पर उनकी बेटी मधु (19) अकेली थी। गांव में उनके दो मकान है। एक मकान में उनकी बेटी कढ़ाई का काम करती है। जब वह साढ़े तीन बजे वापस आए तो पुत्री घर पर नहीं थी। फिर दूसरे मकान में जाकर देखा तो उसका शव कमरे में कुंडे के सहारे रस्सी के बने फंदे से लटका हुआ था। शव देखकर परिवार के होश उड़ गए। शोर पर आसपास के ग्रामीण एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि परिवार की ओर से किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया।

- बरखेड़ा क्षेत्र के मुसरहा गांव की घटना, शव पोस्टमार्टम को भेजा
- घर पर अकेली थी युवती, माता-पिता गए थे दवा लेने

पीआरडी जवान से भिड़ा युवक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर के बीचोंबीच शनिवार दोपहर छिपियान चौराहा के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक पीआरडी जवान से भिड़ गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। बीच बाजार हुई इस मारपीट का वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

नशे की हालत में एक युवक ई-रिक्शा में बैठकर कहीं जा रहा था। ई-रिक्शा चालक ने छिपियान चौराहा के पास सवारियों के लिए ई-रिक्शा रोक लिया। तभी उसमें बैठा आरोपी नशा करने लगा। इस पर सड़क पर ड्यूटी कर रहे पीआरडी जवान मोहम्मद शमशेर ने ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रखने के लिए रिक्शा हटाने के लिए कहा तो चालक की जगह युवक पीआरडी जवान से अभद्रता करने लगा। इतनी बात पर युवक भड़क गया और पीआरडी जवान से उलझ पड़ा। पहले दोनों में कहासुनी हुई, फिर बात मारपीट तक पहुंच गई। युवक ने जवान पर धक्कामुक्की और हाथ छोड़ने तक की कोशिश की। आरोपी ने कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मोहम्मद वासिल का निकला। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी का शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया है।

पीआरडी जवान और युवक में मारपीट के वायरल वीडियो का स्क्रीन शॉट।

- छिपियान चौराहा के पास शनिवार को हुई घटना, पुलिस ने पकड़ा

नौकरी लगवाने के बहाने किशोरी को ले जाकर बेचा

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: नौकरी लगवाने के बहाने से युवक ने दो नाबालिग बहनों को गाजियाबाद ले जाकर बेच दिया। किशोरी को खरीदने वाले युवक ने चार माह तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया।

बंधकमुक्त होने पर शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पिता ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में न्याय की गुहार लगाई है। एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया को दिए शिकायती पत्र में बताया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने बताया 9 अप्रैल को वह अपनी पत्नी के साथ समारोह में गए थे। लौट कर घर आए तो दोनों नाबालिग पुत्रियां नहीं थी। आरोप है कि बरेली के भुता थाना क्षेत्र का युवक दोनों को बहला फुसलाकर गाजियाबाद ले गया था। उसने नौकरी लगवाने का बहाना किया। गाजियाबाद ले जाकर दोनों को अलग-अलग दो युवकों के बेच दिया। छोटी बेटी से जबरन युवक ने शादी कर ली। आरोप है कि युवक ने चार माह तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया।13 अक्टूबर को छोटी बेटी ने कॉल कर गाजियाबाद के एक मकान में बंद होने की सूचना दी। वह अपने पुत्र के साथ जब गांव में पहुंचे तो बेटी छत से कूद कर बमुश्किल छूटकर आई।

- आरोपी ने किशोरी को बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

बरात घर निर्माण को पेड़ कटान की मिली अनुमति

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहरवासियों को बरात घर की सौगात मिलने का रास्ता अब लगभग साफ हो गया है। लंबी जद्दोजहद के बाद वाटर वर्क्स परिसर में बरात घर के निर्माण के लिए चिन्हित की गई जमीन पर पेड़ों के कटान की अनुमति मिल चुकी है। वहीं, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले पानी की मुख्य पाइप लाइन को शिफ्ट करने पर भी सहमति बन गई है। अब केवल सफाई विभाग की कूड़ा गाड़ी हटाए जाने की प्रक्रिया में मामूली पेंच फंसा है। इसके लिए नगर पालिका की ओर से विभाग को पत्र जारी किया गया है।

नगर पालिका द्वारा शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए बरात घर के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिसे स्वीकृति मिल चुकी है। इस परियोजना के लिए 10.49 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया गया है। पहले यह निर्माण मेस्टर्न लाइब्रेरी परिसर में प्रस्तावित था, मगर स्थान की अनुपयुक्तता के कारण इसे कोतवाली के पास वाटर वर्क्स की खाली नगरपालिका भूमि पर स्थानांतरित किया गया। योजना के अनुसार, भवन के भूतल पर बड़ा हॉल, मंच और किचन बनाया जाएगा, जबकि ऊपरी दो तल पर कमरे और एक अतिरिक्त हॉल का निर्माण किया जाएगा। पूरे प्रोजेक्ट का कार्य सीएनडीएस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज) संस्था को सौंपा गया है। सीएनडीएस के जूनियर इंजीनियर मनोज कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जमीन के चारों ओर मेन पाइप लाइन और कई जगहों पर मेजर लाइनों का पता चला, जिनके ऊपर निर्माण संभव नहीं था। इस पर पालिका प्रशासन से चर्चा के बाद पाइप लाइन शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है। ओवरहेड टैंक पूर्ववत स्थान पर ही रहेंगे। उन्होंने बताया कि निर्माण स्थल पर करीब 10 पेड़ मौजूद हैं, जिनका कटान आवश्यक है। इसके लिए अनुमति प्राप्त हो चुकी है। पेड़ कटान के बाद लाइन शिफ्टिंग का कार्य शुरू किया जाएगा और इसके पूर्ण होते ही बरात घर का निर्माण कार्य गति पकड़ लेगा। अब केवल सफाई विभाग की कूड़ा गाड़ी हटाने की बाधा शेष है। वहां कूड़ा गाड़ी खड़ी होने से दिक्कत आएगी। इसको लेकर उन्हें हटाने की तैयारी चल रही है। कूड़ा गाड़ी हटने के बाद वहां लाइन शिफ्टिंग का कार्य शुरु हो जाएगा। इसको लेकर जेई ने शनिवार को भी ईओ और अन्य जिम्मेदारों से इसको लेकर वार्ता की। अब सफाई विभाग की गाड़ियों को खड़ी करने के लिए जगह की तलाश की जा रही है।

- पाइप लाइन शिफ्टिंग पर बनी सहमति, जल्द शुरू होगा काम
- सफाई विभाग की गाड़ी हटाने के लिए जारी किया पत्र

> बरात घर के लिए जगह फाइनल हो चुकी है। लाइन शिफ्ट करने पर भी सहमति बन चुकी है। अब वहां खड़ी हो रही सफाई विभाग की गाड़ियों को हटाने की तैयारी चल रही है। पेड़ कटाने की अनुमति मिल चुकी है। जिस पर काम शुरु हो गया। इस सबंध में पालिका के अफसरों से वार्ता की गई है। गाड़ी हटते ही आगे का काम शुरु करा दिया जाएगा। - **मनोज कुमार** जेई सीएनडीएस

डॉक्टर और स्टॉफ नर्स में मारपीट, वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बीसलपुर तहसील क्षेत्र के खांडेपुर गांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात महिला स्टाफ नर्स ने ड्यूटी के दौरान डॉक्टर पर अभद्र व्यवहार, मारपीट और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता का कहना है कि जब उसने नियमित कार्य के अलावा अन्य काम करने से मना किया तो डॉक्टर ने उसके साथ मारपीट की। वहीं डॉक्टर ने भी स्टाफ नर्स के द्वारा एक बाहरी व्यक्ति के साथ मिलकर हमला करने का आरोप लगाया है। सीएमओ स्तर से जांच शुरु कराई गई है। बता दें कि स्टाफ नर्स राखी निवासी हसनपुर मसूरी, जिला बागपत की ओर से मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा गया है। जिसमें बताया है कि 27 अक्टूबर को वह रोज की तरह ड्यूटी पर थी, तभी पीएचसी में तैनात डॉ. उदित यादव ने उपस्थिति रजिस्टर में छुट्टी को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान डॉक्टर ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और थप्पड़ मारकर बाहर निकाल दिया। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार की ओर से इस मामले में अब जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

- स्टाफ नर्स का आरोप डॉक्टर कर रहे परेशान, अवकाश में ड्यूटी का दबाव

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

किन्नर ने मेडिकल कॉलेज में किया हंगामा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जांच रिपोर्ट लेने मेडिकल कॉलेज आई एक किन्नर ने मेडिकल कॉलेज में जमकर हंगामा किया। वहां मौजूद लोगों ने उसे शांत कराया। लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी क्षेत्र की एक किन्नर अपनी मां की जांच कराने दो दिन पूर्व आई थी। वह अपनी मां की जांच रिपोर्ट लेने मेडिकल कॉलेज में शनिवार की सुबह आई। वह रिपोर्ट लेने पैथोलॉजी विभाग गई। कर्मचारी किन्नर को रिपोर्ट देने में आनाकानी कर रहे थे। इस दौरान किन्नर ने हंगामा किया। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। कर्मचारियों ने कहा कि दो घंटे बाद रिपोर्ट मिल जाएगी। इस आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

महिला से की मारपीट तीन नामजद

तिलहर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बरैंचा निवासी प्रेमवती ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है 30 अक्टूबर को वह गांव के बाहर कंडे निकाल रही थी। इसी दौरान गांव के अवधेश, उनकी पत्नी और पुत्र रामविशेष वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने उसे घेरकर गालियां दीं। विरोध करने पर सभी ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यातायात माह शुरू, हादसों को रोकने की अब महीने भर होगी बात

तमाम प्रयासों के बाद भी 10 माह में 220 से अधिक लोग गंवा चुके हैं जान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सड़क हादसों की रोकथाम और यातायात नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरुक करने के लिए नवंबर अभियान की शुरुआत हो गई। अधिकारियों ने प्रचार वाहन को झंडी दिखाकर रवाना कराया। अब पूरे तीस दिन तक नियम पालन करने का पाठ पढ़ाया जाएगा।

बता दें कि सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को लेकर शासन -प्रशासन चिंतित हैं। हर साल एक नवंबर से मासिक अभियान यातायात पुलिस की ओर से चलाया जाता है। जिसमें नियम उल्लंघन पर कार्रवाई के साथ ही लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जाता है। इस बार भी यातायात पुलिस की ओर से इस माह की शुरुआत की गई है। पहले दिन सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कराया। इधर, जिले में हादसों की बात करें तो तमाम प्रयासों के बाद भी कमी नहीं है। इसी साल जनवरी से अक्टूबर माह तक आंकड़ों के अनुसार 376 सड़क हादसे हुए। इनमें 191 साधारण व 185 बड़े हादसे थे। इन हादसों में 220 लोगों की मौत हुई। दुर्घटनाओं में 295 लोग गंभीर घायल हुए हैं, जबकि 10 माह में 107 दो पहिया वाहन सवारों की मौतें हुई। जिसमें सिर में गहरी चोट मौत की वजह बनी। चालक बिना हेलमेट दुपहिया वाहन दौड़ा रहे थे। फिलहाल अब एक बार फिर नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जागरूकता वाहन को झंडी दिखाकर रवाना कराते सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी।

माह	हादसे	मृतक	घायल
जनवरी	51	25	34
फरवरी	42	16	32
मार्च	41	22	38
अप्रैल	37	19	34
मई	52	35	35
जून	44	26	32
जुलाई	35	19	27
अगस्त	44	30	42
सितम्बर	30	13	21
अक्टूबर	35	15	54

सड़क हादसों में सबसे अधिक दोपहिया वाहन चालकों की मौत होती है। क्योंकि वह वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग नहीं करते है। इससे उनकी जान चली जाती है। इनमें सबसे अधिक 18 से 45 साल के शामिल होते है। सभी को हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए। माह नवंबर में जागरुकता अभियान चलाकर गोष्ठी आदि कराई जाएंगी। ब्लैक स्पोर्ट पर भी सुधारत्मक कार्रवाई निरंतर कराई जाती है। - **वीरेंद्र सिंह**, एआरटीओ

27 ब्लैक स्पॉट चिन्हित, सुधारात्मक कार्रवाई अधूरी

सड़क हादसों के बाद स्टेट और नेशनल हाईवे समेत अन्य मार्गों पर परिवहन विभाग की ओर से ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए थे। जिनमें अभी भी कोई ठोस सुधारत्मक काम नहीं हो सका है। आलम यह है कि कई जगह संकेतिक बोर्ड नहीं लगे हैं। परिवहन विभाग की ओर से एनएच 731 पर असम चौराहा पर प्रभा पैलेस के पास, जंगरोली पुल, बजाज शुगर फैक्ट्री, पतरासा, जोगीठेर, पतरासा, देवहा पुल, पूरनपुर गेट चौकी, शुगर मिल तिराहा, माला मोड़, बिठौरा कला, सराय सुंदरपुर, छतरी चौराहा, बिझिया तिराहा, न्यूरिया अड्डा, भौनी, ललौरीखेड़ा, खमरिया पुल समेत 27 प्वाइंट चिन्हित किए गए थे। बैठकों में हर बार इन पर सुधारात्मक काम करने के निर्देश दिए जाते हैं। पतरासा में भी कोई संकेतक या सुधारात्मक कार्य नजर नहीं आता। असम चौराहे पर भी किसी तरह के सुरक्षात्मक कार्य नजर नहीं आ रहे हैं। वर्तमान में फ्लाईओवर निर्माण कार्य चल रहा है और रात के वक्त हादसे का डर बना रहता है।

बोलेरो की टक्कर से बच्ची की मौत

परौर, अमृत विचार: गांव कौहीं स्थित नयागांव चौराहे पर शनिवार को जब सड़क पार कर रही आठ वर्षीय बच्ची रोशनी को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में बच्ची को नजदीकी डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन तब तक रोशनी की सांसें थम चुकी थीं। मृतका के पिता संजू पेंटर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव को देख विलाप करने लगे, जिससे माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने मौके से पिकअप चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन व चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार से आ रहा था और बच्ची को बचने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद चालक मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया और स्थानीय लोगों ने सड़क पर अनियंत्रित गति से दौड़ते वाहनों पर रोक लगाने की मांग की।

अनदेखी पर गुस्साए और मंडी गेट पर किया प्रदर्शन

पंचायत को संबोधित करते भाकियू भानू जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **सिटी मजिस्ट्रेट ने किया आश्वस्त फिर मानें भाकियू भानु कार्यकर्ता**

अमृत विचार: भाकियू की मासिक पंचायत में किसानों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके बाद कार्यकर्ताओं न कुछ देर के लिए मंडी गेट पर जाम लगाकर नारेबाजी की और फिर सिटी मजिस्ट्रेट को मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया। मंडी समिति स्थित कृषक विश्राम गृह में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की जिला स्तरीय मासिक पंचायत शनिवार को हुई। जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने इसकी अध्यक्षता की। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर पूर्व में दिए गए 14 सूत्रीय मांग पत्र और अन्य शिकायती पत्रों पर उचित समाधान न होने पर नाराजगी जताई। शिकायतों से संबंधित अधिकारियों को बुलाने का निवेदन किया गया था लेकिन काफी देर बाद भी कोई नहीं पहुंचा। इस पर कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और मंडी गेट पर आकर धरने के रुप में सड़क पर बैठ गए। जाम लगाकर नारेबाजी की गई। इसकी जानकारी मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर मौके पर पहुंचे और किसान नेताओं को आश्वासन देकर शांत कराया। फिर उन्हीं को ज्ञापन सौंप दिया गया। इस दौरान चकबंदी, राजस्व विभाग और गन्ना विभाग के खिलाफ नारेबाजी की गई। ये भी चेतावनी दी गई कि अगर सुधार हुआ तो एक दिसंबर को जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पर आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, तहसील अध्यक्ष पीलीभीत नंदकिशोर राठौर, जिला सचिव बालमुकुंद प्रजापति, डालचंद मौर्य, वीरेंद्र गिरि, निसार शाह, मोहम्मद आमिर,दिलीप कुमार, रामचंद्र समेत अन्य रहे।

रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा रोड पर पुलियों का निर्माण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **रात के वक्त इस रास्ते पर हादसे से बचाव कैसे करेंगे राहगीर**
- **अधूरे काम से राहगीरों को आ रही दिक्कत, हादसे का डर**

अमृत विचार: पिछले कई महीनों से माधोटांडा रोड पर सफर दिक्कत भरा है। दिवाली बाद काम तो शुरू हो गया लेकिन अभी राह आसान नहीं हो सकी है। आधे अधूरे पड़े निर्माणाधीन पुलियों के काम से राहगीरों की जान आफत में है। इसका कोई सुधार नहीं हो सका है।

पीलीभीत से कस्बा माधोटांडा की दूरी करीब 28-30 किमी है। इस मार्ग पर 20 हजार के आसपास राहगीर प्रतिदिन सफर करते हैं। कई जगह पुलिया निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके बाद से आवागमन के लिए एक अस्थाई रास्ता बनाया गया लेकिन उस पर सफर करना ही मुश्किल भरा है। नई पुलियों के निर्माण कार्य मानसून के दौरान पीडब्ल्यूडी की ओर से शुरू कराए गए थे। शहर से महज दो किमी की दूर पर माधोटांडा रोड पर बढ़ते ही चिड़ियादाह गांव के पास पुलिया निर्माणाधीन है। इसके कुछ किमी आगे सड़ा गौटिया गांव के पास भी पुलिया बनवाई जा रही है। इसके अलावा आगे भी कई जगह पुलिया को लेकर काम चल रहा है। दिवाली बाद काम तो तेजी से कराने के दावे किए जा रहे है लेकिन अस्थाई मार्ग भी दुरुस्त नहीं है। सवारी वाहन पलटते है। मगर, इन दिनों इस मार्ग पर सफर खतरों भरा हो चुका है।अस्थायी मार्ग राहगीरों के निकलने के लिए बनवाया गया है। मगर, उस मार्ग की स्थिति बेहर खराब है। आलम ये है कि ई-रिक्शा, टेंपो, कार समेत कई वाहन अस्थायी मार्ग पर हुए गहरे गड्ढों में फंस रहे हैं।

रात के वक्त इस रास्ते पर हादसे से बचाव कैसे करेंगे राहगीर। ● अमृत विचार

मरीज और विद्यार्थी भी होते है परेशान

माधोटांडा रोड पर कई निजी अस्पताल और स्कूल हैं। इसके अलावा एंबुलेंस गुजरती हैं। स्कूली बच्चों की आवाजाही भी रहती है। इनको भी आवाजाही में दिक्कत आती है। रात के वक्त रोशनी और हादसे से बचाने को लेकर भी सुरक्षात्मक इंतजाम नहीं किए गए है।

दुकान में बाइक टकराने पर विवाद

संवाददाता, बीसलपुर

- **दो समुदायों से जुड़ा मामला होने पर मचा हड़कंप, एक ने किया हमला**

अमृत विचार : बाजार में पान की दुकान पर बाइक से लगी टक्कर के बाद विवाद हो गया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। एक पक्ष ने दुकान पर हमला बोल दिया।

दुकान स्वामी के साथ मारपीट की गई। मदद को आए एक व्यापारी की आरोप है कि सोने की चेन हमलावर लूट ले गए। पुलिस के आने पर हमलावर बाइक छोड़कर भाग गए। नगर के सर्राफा बाजार के पास आर्य समाज मंदिर रोड पर राकेश भारद्वाज की पान की दुकान है। इस पर संजय भारद्वाज बैठते है। शनिवार रात एक युवक की बाइक दुकान में टकरा गई। इसमें समान बिखरकर गया। इसी बात को लेकर युवक व दुकान स्वामी के बीच कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ने पर युवक के पक्ष में लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने दुकानदार के साथ मारपीट करने लगे। दोनों के अलग समुदाय से होने पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई । सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को आता देख हमलावर भाग गए। हमला करने वाले युवक की बाइक मौके पर रह गई, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पड़ोस की दुकानदार मणिक गुप्ता ने हमलावरों द्वारा सोने की चेन लूटकर ले जाने का आरोप लगाया। मुकदमा दर्ज करने के लिए कोतवाली में तहरीर दी गई। इस पर पुलिस जांच कर रही है। घटना के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार में एकत्र हो गए। स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिल गई है कार्रवाई की जा रही है।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) - गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) - गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) - पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

एकता, अखंडता बनाए रखने का लिया संकल्प

ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में शपथ ग्रहण करते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम हुआ। कक्षा पांच से आठ तक के बच्चों ने एकजुटता में रहने की शपथ ग्रहण की। राष्ट्रीय एकता को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। प्रबंधक देवेंद्र सिंह छाबड़ा, प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने कहा कि आजादी के बाद भी देश को एक करने में सरदार वल्लभ भाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सरदार पटेल ने आजादी के बाद देश के एकीकरण में जो योगदान दिया, वह अद्वितीय और प्रेरणादायक है। बच्चों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प लिया।

मेरा युवा भारत विषय पर लिखे गए निबंध

पीलीभीत, अमृत विचार: डिवाइन कॉलेज में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में मेरा युवा भारत विषय पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें प्रिया सिंह, रतन प्रभा, भारत वीर, शिखा वर्मा, कविता देवी, दीपशिखा, मीनाक्षी आदि विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक निबंध लिखे। प्राचार्य डॉ.नीरज कुमार जायसवाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में लेखन कौशल, विचार कौशल, कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति आदि का विकास होता है। वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ.हरचरन लाल ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। निदेशिका चारू धवन और चेयरमैन आरके धवन ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सफाई न होने से सड़कों पर बह रहा पानी

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचार: बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुकरा में सफाईकर्मी न आने से नालियों का पानी सड़कों पर बहता रहता है। कसबे की नालियां चोक होने से ग्रामीणों को स्वतः सफाई करनी पड़ती है।

ग्राम पंचायत कुकरा के मजरा सलेमपुर में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल है। करीब आधा दर्जन लोगों ने गोला तहसील पहुंचकर एसडीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर साफ सफाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा है कि यहां सफाईकर्मी नदारद रहने के कारण गांव में गंदगी के अंबार से नालियों में गंदे पानी से नालियां उभर कर नाला और नालियां कूड़े के अंबार से जाम पड़ी हैं। ग्रामीणों को मजबूरन खुद ही नाला, नालियों की सफाई करनी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार कि ग्राम पंचायत में नियुक्त सफाईकर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। सफाई कर्मी सरकारी वेतन पाकर अपने घर पर मौज उड़ा रहे हैं, उनकी अनुपस्थिति के कारण गांव में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। गंदे पानी से नाला नालियों में उफनाकर गंदा पानी मेन सड़क पर बह रहा है। आये दिन बाइक सवार फिसल कर गंदे पानी में गिर रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य पति राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में मजरा सलेमपुर के बारिश अली, मोबीन के साथ आधा दर्जन लोगों ने एसडीएम गोला को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कूड़े एवं गंदे नालों की साफ सफाई करने की मांग की है, जिससे पंचायत में स्वच्छता, । प्रधान रहनुमा चौधरी का कहना है पिछले दिनों हुई बारिश से यह दिक्कत आई है। शीघ्र ही पूरे कस्बे की नालियों की सफाई कराई जाएगी।

कुकरा में सड़क पर बहता नालियों का पानी। ● अमृत विचार

- **कस्बा वासियों को आवागमन में होती है दिक्कत**

न्यूज डायरी

बाबा के भक्तों ने निकाली निशान यात्रा

बरखेड़ा, अमृत विचार : श्री खाटू श्याम कमेटी के सदस्यों ने शनिवार को देवोत्थान एकादशी के अवसर पर कस्बे में धूमधाम से निशान यात्रा निकाली। मेला मैदान में श्रद्धालु एकत्र हुए। इकसे बाद श्री खाटू श्याम बाबा का श्रृंगार किया गया। फिर गाजे बाजे व श्री खाटू श्याम के जयकारों के साथ निशान यात्रा शुरू की गई। कस्बे के मुख्य मार्ग से होती हुई गोपी कॉलोनी पहुंची। गाजीपुर कुंडा मोड तक जाने के उपरांत वापस आकर कस्बे में दौलतपुर मार्ग से होती हुई स्टेशन रोड से मेला मैदान पर आकर संपन्न हुई। कमेटी के सदस्यों ने निशान यात्रा में शामिल लोगों को प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर अमन गुप्ता, सार्थक सक्सेना, हिमांशु गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, अर्पित सक्सेना, दर्पण सक्सेना, नैतिक सक्सेना, ऋषि राज गुप्ता, ऋतिक भारद्वाज, हरीश, शिवम जोशी, श्याम गुप्ता, नरेंद्र सक्सेना, अजय राठौर, प्रशांत भोजवाल आदि मौजूद रहे।

बैंक मैनेजर ने पेंशनर्स को किया सम्मानित

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा स्थित एसबीआई बैंक में शनिवार को शाखा प्रबंधक विजयपाल ने पेंशनर्स का सम्मान किया। उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बैंक की सेवाओं के बारे में बताया। सेवानिवृत अध्यापक ओंमकार, पूर्व सैनिक मोहम्मद अहमद, सेवानिवृत्ति लेखपाल बशीर अहमद, सेवा निवृत शिक्षक सुरीश चंद्र शर्मा आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कैशियर महेश्वर दत्त, मनीष गंगवार आदि मौजूद रहे।

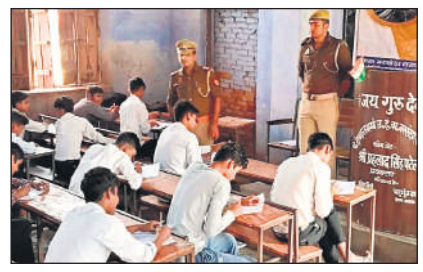

निबंध प्रतियोगिता में लिया भाग

बरखेड़ा, अमृत विचार : पुलिस की ओर से विधिक जागरूकता अभियान के तहत कस्बे के पंडित देवदत्त शर्मा जनता इंटर कॉलेज में शनिवार को रचनात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को नए कानूनो की जानकारी दी गई। क्विज, निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें छात्रों ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को अपनी समझ को रखा। दरोगा अंकित यादव ने विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर कांस्टेबल प्रीत चपराना, प्रदीप यादव, सौरभ पवार, प्रधानाचार्य हरचरन लाल आदि मौजूद रहे।

नए आपराधिक कानूनों पर स्कूलों में हुई कार्यशाला

निघासन, अमृत विचार : पुलिस ने शनिवार को जागरुकता अभियान के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर तराई महाविद्यालय एवं एबलान पब्लिक स्कूल में छात्रों को भारत के नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने छात्र-छात्राओं को बताया कि एक जुलाई, 2024 से देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू किए जा चुके हैं। जिनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल हैं। इनका उद्देश्य न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, तकनीकी, सक्षम और पीड़ित केंद्रित बनाना है। उन्होंने शून्य एफआईआर, ई-एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधान और फॉरेंसिक विज्ञान एवं तकनीकी साक्ष्य के उपयोग से जुड़े बदलावों के बारे में समझाया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय नए आपराधिक कानून और जन जागरुकता रखा गया। विद्यार्थियों ने अपने विचार और चित्रों के माध्यम से कानून व्यवस्था में आए सुधारों का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

श्रीराम जन्म की लीला का किया मंचन

सिंगाही, अमृत विचार : कस्बे के ऐतिहासिक रामलीला मेले में भगवान श्रीराम के जन्म की लीला का मंचन हुआ। मंचन देख कर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। जय श्रीराम के जयघोष से पंडाल गूंज उठा। लीला में दिखाया गया कि अयोध्या के राजा दशरथ संतान न होने से व्यथित हैं। गुरु वशिष्ठ उनकी चिंता का कारण जानकर पुत्रेष्टि यज्ञ करने की सलाह देते हैं। यज्ञ के बाद महारानी को प्रसाद मिलता है और भगवान श्री राम के जन्म के साथ ही पूरी अयोध्या नगरी "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंज उठती है। घर-घर बधाइयां बजने लगीं, और मंचन देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस तैनात रही। इस अवसर पर रामलीला कमेटी अध्यक्ष सचिन्द्र शाह, प्रबंधक प्रवीण शाह, नृपराज शाह सहित कस्बे के तमाम लोग मौजूद रहे।

समाधान दिवस में हुआ 4 शिकायतों का निस्तारण

पुवायां, अमृत विचार : तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस में समस्याओं को लेकर भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम चित्रा निर्वाल ने की। तहसील समाधान दिवस में कुल 154 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें अधिकांश प्रकरण राजस्व विभाग से संबंधित पाए गए। एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान चार शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। एसडीएम चित्रा निर्वाल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर फरियादी को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता के साथ लोगों की शिकायतों पर कार्रवाई करें।

एडीओ पंचायत राम औतार राना का निधन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : लंबी बीमारी के बाद एडीओ पंचायत राम औतार राना की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली गौरीफंटा क्षेत्र के गांव सूरमा निवासी राम औतार राना (57) ब्लॉक रमियाबेहड़ में तैनात थे। यहां से चार माह पहले उनका ट्रांसफर शाहजहांपुर हुआ था, लेकिन न्यूरो की समस्या के चलते उन्होंने मेडिकल अवकाश ले लिया था। बताते हैं कि जिला अस्पताल से लेकर लखनऊ तक इलाज कराने के बाद उनकी हालत में सुधार नहीं। शुक्रवार की रात जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

वन मंत्री की मौजूदगी में बाघ संरक्षण फाउंडेशन की बैठक में दरों में की गई बढ़ोत्तरी

दुधवा में इस बार प्रवेश शुल्क, फोटोग्राफी व गैंडा दर्शन भी महंगा

संवाददाता, पलिया कलां, खीरी

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क शनिवार से सैलानियों के लिए खुल गया है, लेकिन इस बार प्रवेश शुल्क, फोटोग्राफी व गैंडा दर्शन भी महंगा कर दिया गया है। दुधवा में दरों को बढ़ाने का निर्णय वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बाघ संरक्षण फाउंडेशन की बैठक में लिया गया।

इसमें प्रवेश शुल्क 200 से 250 रुपये, गैंडा दर्शन के लिए तय दर 150 से प्रति व्यक्ति 200 रुपये, जंगल में सामान्य कैमरा ले जाने पर 100 के बजाए अब 200 रुपये वसूले जाएंगे। बैठक में दुधवा के फील्ड डॉयरेक्टर डॉ. एच राजामोहन ने बाघ संरक्षण फाउंडेशन के तहत बीते सालों में कराए गए कार्यों की ब्यौरा रखा। उन्होंने बताया कि अत्यंत आवश्यक कार्यों के त्वरित क्रियान्वयन की दृष्टि से दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन के अतंर्गत व्यय किया जाता है, जिसका प्रोजेक्टर टाइगर योजना के अंतर्गत प्राप्त बजट के उपरांत समायोजन कर लिया जाता है। वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए विभिन्न जगहों पर लगाई गई चेनलिंक फेंसिंग के प्रभाव की समीक्षा करते हुए वन मंत्री ने प्रमुख सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन अनिल कुमार से जानकारी हासिल की। बैठक में उप निदेशक जगदीश आर की तरफ से दुधवा पर्यटन की दरों में बढ़ोत्तरी करने का प्रस्ताव रखा गया। पश्चात दरों में परिवर्तन किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन अनिल कुमार ने निकाय बैठक के सदस्यों एवं दुधवा प्रबंधन से कहा कि दुधवा पर्यटन क्षेत्र के विकास में आवश्यक सभी उपाय किए जाएं। सेमिनार के आयोजनों के साथ ही वन एवं वन्य जीव आधारित चलचित्र का आयोजन किया जाए। बैठक का संचालन डीएफओ वफर जोन कीर्ति चौधरी ने किया।

नहीं पड़ेगा असर, पर्यटक बोले- किराए दरों का क्या सोचना

दुधवा की सैर के लिए आने वाले पर्यटकों को यहां की दरों की कोई चिंता नहीं है। पहली बार दिल्ली से आए सैलानी आमोद कुमार, राजेश कुमार, लखीमपुर के आदर्श सक्सेना, निषी सिंह का कहना है कि जंगल की सैर करने आए हैं तो कीमतों का क्या सोंचना। बस, दुर्लभ जंतु दिख जाएं तो समझो पैसा वसूल हो गया। दुधवा में काफी सुविधाएं हैं और यहां आकर बहुत अच्छा लगा। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को खासा करीब से महसूस किया। गाइडों से भी वन और वन्य जंतुओं के बारे में काफी जानकारी मिली।

दुधवा में बाघ संरक्षण फाउंडेशन की बैठक में शामिल वन राज्य मंत्री अरुण कुमार सक्सेना। ● अमृत विचार

ठेकेदार की मनमानी से राहगीरों की बढ़ी परेशानी

बिझौली, अमृत विचार : लखीमपुर ब्लॉक के गांव रमुआपुर से लिधौरा मार्ग पर सड़क निर्माण का काम होना है। इस कार्य में ठेकेदार काफी लापरवाही और मनमानी कर रहे हैं।

राहगीरों की सुरक्षा का ख्याल भी नहीं रखा जा रहा है। इससे किसी दिन कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। लगभग तीन माह पहले सड़क पर गिट्टी डालने के बाद निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया। जिससे अब और मुसीबत लोगों को झेलनी पड़ रही है। गिट्टी वाली सड़क पर चलने में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर बाइक और साइकिल सवार गिरकर इस सड़क पर चोटिल हो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराने की माग की हैं।

दुधवा पार्क खुलते ही उमड़े सैलानी, गैंडा, चीतल, पाड़ा के हुए दीदार

वन मंत्री ने किया हवन-पूजन, फीता काटकर उद्घाटन, सैलानियों के वाहनों को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता, पलिया कलां (खीरी)

अमृत विचार : सर्दी की आहट के साथ ही इस बार शनिवार से विश्व विख्यात दुधवा नेशनल पार्क खुल गया है। दुधवा नेशनल पार्क स्वच्छंद विचरण करते दुर्लभ वन्य जीवों के साथ अपनी अनूठी जैव विवधता और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के लिए सैलानियों को आकर्षित करता है। यही वजह है कि दुधवा खुलने से पहले ही सैलानी यहां पहुंच गए और शनिवार को उद्घाटन के समय काफी तादात में रंग बिरंगी गाड़ियों से लोग जंगल की सैर करने और दुर्लभ जंतुओं का दीदार करने पहुंचे।

दुधवा के नवीन पर्यटन सत्र की शुरुआत वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनिल कुमार, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और वन विभाग व दुधवा के अधिकारियों के साथ प्रातः करीब 9:30 बजे वैदिक मंत्रों के बीच की। हवन पूजन नगर के पंडित महेश कुमार ज्योतिषी ने विधिवत कराया। उनके पुत्र ने वन मंत्री सहित सभी अधिकारियों के रोचना- तिलक लगा कलावा बांधा। पश्चात नारियल फोड़, फीता काटा गया और सभी के स्वागत के लिए खड़ी पार्क की पालतू हथिनी गंगाकली को वन मंत्री सहित डीएम व वन अधिकारियों ने फल खिलाकर दुलार किया। इसके बाद वन मंत्री सहित अन्य अधिकारियों ने सैलानियों की प्रथम जिप्सी को हरी झंडी दिखाकर जंगल की सैर करने को रवाना किया। इस मौके पर प्रथम बार दुधवा घूमने आये पर्यटकों व स्कूली बच्चों में काफी उल्लास देखा गया।

पहली नवंबर से दुधवा खुलने का सभी को लाभ: मंत्री : पत्रकारों से वार्ता करते हुए वन मंत्री ने कहा कि यह पहला मौका है जब कई वर्षों बाद दुधवा एक नवंबर को खोला गया है। यह क्षेत्रवासियों के लिए दीवाली का बड़ा तोहफा है। इससे यहां बाहर से अधिक टूरिस्ट आएंगे और यहां के निवासियों को अधिक फायदा होगा। कहा कि दुधवा का जंगल बहुत अच्छा है। यहां बाघों के अतिरिक्त एक सींग वाले गैंडे, बारहसिंघा आदि अनेक वन्य जंतु व विविध पक्षी पाए जाते हैं। यहां के कीमती पेंड़ों व दुर्लभ जड़ी-बूटियों वाले जंगल अन्यत्र कम हैं। मध्यवर्गीय पर्यटकों के लिए इस बार यहां मामूली शुल्क वृद्धि कर और अच्छी व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षित गाइड उन्हें यहां के जंगलों व वन्य जीव- जंतुओं के बारे में विस्तार से बता सकेंगे, ऐसी व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखते हुए यहां प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। टॉयलेट की सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। कर्तनिया घाट के निशान गाढ़ा में एक नया रूट पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। जिससे सैलानियों को सुविधा हो सके। दुधवा जंगल से बाहर घूम रहे हिंसक बाघ तेंदुओं की लगातार बढ़ रही घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसकी व्यवस्था की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों को भी यह ध्यान रखना होगा कि वे अकेले सुबह -शाम जंगल व खेतों की ओर न जाएं।

फीता काटकर उद्घाटन करते वन मंत्री। साथ में हैं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

दुधवा के नवीन पर्यटन सत्र के शुभारंभ पर हवन-पूजन करते वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, डीएम व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

हाथी से जंगल की सैर कराने के लिए तैयार महावत।

बच्चों के आकर्षण का विशेष केंद्र रही गंगाकली

अपने अभिभावकों के साथ दुधवा घूमने आए बच्चों व स्कूली छात्रों के लिए सभी के स्वागतार्थ लाई गई जो दुधवा की पालतू हथिनी गंगाकली काफी आकर्षक का केंद्र रही और बच्चे टकटकी निगाह से देर तक उसे देखते रहे।

पहले दिन सभी थारू हट रहे फुल

दुधवा में पहले दिन सभी थारू हट फुल रहे। लखीमपुर के अतिरिक्त पड़ोसी जनपद सीतापुर, शाहजहांपुर, हरदोई व लखनऊ आदि से आने वाले सैलानियों ने दुधवा जंगल घूमकर यहां स्वच्छंद विचरण कर रहे विभिन्न वन्य जीव जंतुओं व पक्षियों का दीदार कर पूरा आनंद उठाया और यहां के वनों व वन्यजीवों की भरपूर प्रशंसा की।

सैलानियों को जंगल की सैर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना करते वन मंत्री।

अतिथियों व सैलानियों का स्वागत करती दुधवा की पालतू हथिनी गंगाकली।

पहले दिन 282 सैलानियों ने किया भ्रमण

पलिया कलां। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में नए पर्यटन सत्र के प्रथम दिन 282 सैलानियों ने 47 जिप्सियों व वन निगम की गाड़ियों से भ्रमण किया। यहां सैलानियों को बाघ तो नहीं देखने को मिला, लेकिन एक साथ आठ- आठ गैंडे व कई जंगली हाथी तथा चीतल, पाड़ा, बारहसिंगा, लंगूर एवं अनगिनत रंग-बिरंगे पक्षी देख कर वे फूले नहीं समाए। उधर, किशनपुर वन्य जीव विहार में सैलानियों व वन अधिकारियों को आज पहले दिन ही बाघ दिखाई दिया। इसके अतिरिक्त बारहसिंगा व चीतलों के झुंड यहां देख वे देर तक यहां की जैव विविधता की प्रशंसा करते रहे। यह जानकारी दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन ने दी।

उद्घाटन के बाद पहुंचे विधायक

लखनऊ से आने के कारण क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी हवन पूजन और उद्घाटन में शामिल नहीं हो पाए। वह देर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने वन मंत्री का स्वागत किया। पश्चात सैलानियों से भी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव उत्तर प्रदेश अनुराधा वैमुरी, मुख्य वन संरक्षक व फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच. राजामोहन, उपनिदेशक जगदीश आर., प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वनप्रभाग कीर्ति चौधरी, उप प्रभागीय वनाधिकारी दुधवा महावीर सिंह, उपप्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक पांडेय व विभिन्न रेंजों के रेंजर, उपनिदेशक कार्यालय वरिष्ठ सहायक रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

जंगल की सैर करने को उतावले रहे लोग

दुधवा की सैर कर यहां के वन एवं वन्यजीवों को देखने के लिए लोगों में होड़ मची देखी गई। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी व स्कूली बच्चे यहां सजी-धजी खड़ी जिप्सियों में सुबह से ही बैठ गए और मौका मिलते ही उन्होंने जंगल घूम कर यहां के दुर्लभ पशु -पक्षी देखे।

सीएचसी में लेट आए कर्मचारियों को नोटिस जारी

सीएचसी में भर्ती मरीज से जानकारी करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- सीएमओ ने किया निरीक्षण, ऑनलाइन पर्चा, मोबाइल पर मिलेगी जांच रिपोर्ट
- टीकाकरण सत्र में अनुपस्थित पाए जाने पर पांच एएनएम का रोका गया वेतन

अमृत विचार: सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता शनिवार को अचानक पलिया सीएचसी पहुंच गए और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी लेटलतीफ आते मिले। वहीं टीकाकरण में लगी पांच एएनएम भी गैरहाजिर मिलीं। नाराज सीएमओ नं संबंधितों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही देर से पहुंचे अधिकारियों और कर्मचारियों का स्पष्टीकरण तलब किया। इसके अलावा वहीं टीकाकरण सत्र में अनुपस्थित रहने वाली पांच एएनएम का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत देखने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित सीएचसी पलिया सुबह 09:40 बजे ही पहुंच गए और करीब 30 मिनट तक सीएचसी का निरीक्षण किया। लेट लतीफ मिले कर्मचारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश सीएचसी अधीक्षक डॉ भरत सिंह को दिए गए। उन्होंने इमरजेंसी व इमरजेंसी वार्ड को देखा। साफ सफाई व्यवस्था देखी। भर्ती मरीजों से बात की। दवाओं की उपलब्धता व मिल रही सेवाओं के बारे में मरीजों से पूछा, जिस पर मरीजों ने संतुष्टि जाहिर की। जिसके बाद वह कोल्ड चैन पहुंच गए, जहां रजिस्टर का अवलोकन करने पर पता चला कि 24 अक्टूबर 2025 को एएनएम मनीषा देवी, पायल शर्मा, रीता, रतना मिश्रा व मीरा चौहान अनुपस्थित रहीं थीं। वहीं 25 अक्टूबर 2025 को एएनएम मनीषा देवी, पायल शर्मा, रीता व मीरा चौहान अनुपस्थित थीं। शनिवार को भी एएनएम मनीषा देवी अनुपस्थित पाई गई। इन सभी से स्पष्टीकरण तलब करते हेतु आगामी सप्ताह में सभी जगहों में टीकाकरण सत्र आयोजित करने व लापरवाही के दृष्टिगत वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के लिए सीएचसी पर ऑनलाइन पर्चा बनाने व मरीजों को उनकी जांच रिपोर्ट ऑनलाइन/मोबाइल पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अन्नपूर्णा रसोई के दो वर्ष पूरे होने पर हुआ कार्यक्रम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- नगर पालिकाध्यक्ष ने केक काटकर, सेवा कर मनाया जश्न

अमृत विचार: नगर पालिकाध्यक्ष के चुनावी संकल्प पत्र में किए गए रसोई के संकल्प मां अन्नपूर्णा रसोई के एक नवम्बर को दो वर्ष पूर्ण हो गए हैं। नगर पालिकाध्यक्ष ने केक काटकर, भोजन करने आए जरूरतमंदों की सेवा कर जश्न मनाया है।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू ने प्रत्येक जरूरतमंद को मात्र 10 रुपये में भरपेट, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की थी। बीते दो वर्षों में इस रसोई ने हजारों जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया। इस रसोई में प्रतिदिन तीन सौ लोग भोजन प्राप्त करते हैं। मां अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति के अध्यक्ष पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू, महामंत्री सत्यप्रकाश अग्रवाल, मंत्री दिनेश मिश्र, विकास मिश्रा, रसोई संचालक गौरव ज्ञान त्रिपाठी ने मां अन्नपूर्णा रसोई की दूसरी वर्षगांठ हर्षाल्लास से मनाई। अध्यक्ष श्री रिंकू ने अपने पुत्र वर्णित शुक्ल के जन्मदिन एवं रसोई की वर्षगांठ पर भोग लगाया। उन्होंने आज के दिन के लिए रसोई को निःशुल्क करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह रसोई केवल भोजन वितरण का केंद्र नहीं बल्कि सेवा, संवेदना और मानवता का प्रतीक बन चुकी है।

आने वाले समय में मां अन्नपूर्णा रसोई को और अधिक स्थानों पर प्रारंभ करने की योजना है, ताकि नगर का कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। बताया कि मां अन्नपूर्णा रसोई से 371 से अधिक दानदाता सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, जो नियमित रूप से खाद्यान्न, आर्थिक सहायता या श्रमदान के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं।

गोला की अन्नपूर्णा रसोई में केक काटते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू। ● अमृत विचार

युवती को फोटो वायरल कर युवक कर रहा ब्लैकमेल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ईसानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती को तीन युवक उसकी इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो और गाने डालकर ब्लैकमेल कर रहे है। आरोपी उससे रुपये मांग रहे हैं। रुपये न देने पर बदनाम करने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती के पिता ने बताया कि उसकी बेटी का इंस्टाग्राम पर अकाउंट है। उसकी आईडी पर गांव मुखलिसपुर निवासी अंकित कुमार, सचिन और अभिनव अश्लील फोटो और गाने डाल रहे हैं। उसके अश्लील फोटो एडिट कर अपलोड कर रुपये मांग रहे हैं। रुपये न देने पर बदनाम करने की धमकी दे रहे हैं। आरोपियों ने उसे मैसेज कर कहा यदि रुपये नहीं दिए तो उसकी बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल देंगे। इससे परिवार मानसिक तनाव में है। पीड़ित ने ईसानगर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मामले को साइबर क्राइम की श्रेणी में लेते हुए संबंधित तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। मोबाइल डेटा और सोशल मीडिया चैट की जांच कराई जा रही है।

डीएम ने सुनीं समस्याएं, लाभार्थियों को दिया योजनाओं का लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- तहसील पलिया सभागार में पहुंचे डीएम और एसपी
- शिकायतों का गुणवत्तापरक, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

अमृत विचार: डीएम-एसपी ने पलिया तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान में फरियादियों की समस्याएं सुनी। कुल 74 शिकायतों में छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण हो सका। इस दौरान डीएम ने जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी सौंपे।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने अधिकारियों के साथ हर शिकायत को गंभीरता से लिया। डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में शिकायतों का समाधान सर्वोपरि है। गरीब व जरूरतमंदों की समस्याओं का तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में कुल 74 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 6 का निस्तारण किया गया। राजस्व विभाग की 35, पुलिस विभाग की 13, विद्युत विभाग की 07, नगर निकाय की 05, विकास विभाग की 04, आपूर्ति 02 और अन्य की 08 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान सीडीओ अभिषेक कुमार, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एसडीएम डॉ अवनीश कुमार, पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह सहित जनपदीय अधिकारी मौजूद रहे। डीएम, एसपी और सीडीओ ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सौंपा। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत टेलरिंग ट्रेड के तीन लाभार्थियों को सिलाई मशीन और प्रेस दी गईं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत दो लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक सौंपे गए, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पांच लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र दिए।

लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक सौंपती डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

गोला के संपूर्ण समाधान दिवस में समस्याएं सुनतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी।

48 में केवल पांच शिकायतें निस्तारित

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : तहसील सभागार में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 48 शिकायतें आईं, जिनमें से केवल पांच का मौके पर निस्तारण किया जा सका। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी के समक्ष राजस्व की 27, पुलिस की 9, संयुक्त जांच और ग्राम विकास विभाग की चार-चार, खाद्य एवं रसद की दो, बैंक और विद्युत विभाग की एक-एक शिकायत आई, जिनमें केवल पांच का निस्तारण किया गया। बाकी को एसडीएम ने अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। सीओ रमेश कुमार तिवारी, तहसीलदार भीमचंद आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अचल बने हिंदू महासभा के नगर अध्यक्ष

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : अखिल भारत हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष विनोद गुप्ता ने खुटार रोड निवासी अधिवक्ता अचल श्रीवास्तव को गोला के नगर अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है, जिससे समर्थकों में खुशी है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शीघ्र नगर कमेटी का गठन कर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना उचौलिया के गांव हरिहरपुर बंजरिया निवासी नन्हे सिंह (55) साइकिल से डीजल, खाद और बीज लेने जा रहे थे। हाईवे पर पीछे से किसी वाहन ने साइकिल में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें शाहजहांपुर जिला अस्पताल भेजा, जहां उनकी मौत हो गई। मृतक की बेटी की शादी तय थी। 23 नवंबर को तिलक था। इससे शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

खेल महोत्सव कबूतर उड़ाकर किया आरंभ

मैराथन से पूर्व भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर अतिथियों ने की पुष्पांजलि अर्पित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

श्वेत कबूतर उड़ाकर खेल महोत्सव का आरंभ कराते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू।

गोला महोत्सव में आयोजित मैराथन में प्रतिभाग करते युवा। ● अमृत विचार

अमृत विचारः युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव की थीम के साथ एक नवम्बर को रन फॉर यूनिटी मैराथन दौड़, खेल ध्वज फहराकर, श्वेत कबूतर उड़कर शुभारंभ हुआ। मैराथन दौड़ में आरिफ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नगर पालिका परिषद द्वारा पहली बार आयोजित गोला खेल महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को मुख्य अतिथि एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि सीओ रमेश तिवारी, अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने खेल ध्वज फहराकर, श्वेत कबूतर उड़ाकर किया। महोत्सव के पहले दिन मैराथन दौड़ से पूर्व भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गयीं। मुख्य अतिथि एसडीएम ने

● मैराथन दौड़ में आरिफ प्रथम स्थान प्राप्त किया

कहा कि मानसिक शक्ति के साथ शारीरिक शक्ति का विकास करने में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान है। विशिष्ट अतिथि सीओ रमेश तिवारी ने कहा कि खेल हमें अनुशासन में रहना सिखाते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष का यह अच्छा और सराहनीय प्रयास है, जिससे गोला की प्रतिभाओं को अपना प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि गोला खेल महोत्सव से नगर की प्रतिभाओं को एक नई पहचान मिलेगी और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए वह पूरी तरह प्रयासरत है।

रन फॉर यूनिटी मैराथन दौड़ का शुभारंभ अतिथियों, पालिका अध्यक्ष द्वारा हरी झण्डी दिखाकर स्व राजेन्द्र गिरि स्टेडियम से रवाना किया। प्रतिभागियों ने स्टेडियम से अशोक चौराहा, मोहमदी रोड, पुरानी बाईपास से विकास चौराहा होते हुए अशोक चौराहा, अलीगंज रोड, मंडी समिति से भूतनाथ रोड, लखीमपुर रोड़ से रतन द्वार होते हुए पुनः स्टेडियम गेट पर दौड़ समाप्त की। मैराथन दौड़ में आरिफ प्रथम, प्रदीप पाल द्वितीय, अजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला, विनीत सिंह भदौरिया, सभासद नानक चंद वर्मा, कफील अहमद, आनंद किशोर गिरि भोली, धर्मेंद्र तिवारी टीटू, निर्णायक रमेश कुमार, सरोज कुमार, विमलेश कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष पारस प्रसाद मिश्रा, जिलाध्यक्ष अरुण अवस्थी, विनोद स्वर्णकार, गीता विश्वकर्मा सहित सैकड़ों खेल प्रेमी, नगरवासी आदि मौजूद रहे।

गुलरिया चीनी मिल के बाहर गन्ना वाहनों की लगी लाइन

संवाददाता, भानपुर

● ड्यूटी पर तैनात दीवान तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र की गुलरिया चीनी मिल के बाहर शनिवार को स्टेट हाईवे पर गन्ना लदे वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे हाईवे पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इसी बीच ड्यूटी पर तैनात एक दीवान को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

हेलमेट पहने होने के कारण दीवान की जान बच गई, हालांकि उन्हें चोटें आईं। यह घटना उस समय हुई जब एसपी संकल्प शर्मा गुलरिया चीनी मिल में नवीन पेराई सत्र का शुभारंभ कर रहे थे। उद्घाटन से पहले ही गन्ना लेकर पहुंचे ट्रैक्टर-ट्रॉली की भीड़ ने सड़क को जाम कर दिया, जिससे नेशनल हाईवे की एक दिशा पूरी तरह ठप हो गई। यातायात अव्यवस्था के बीच पड़रिया तुला चौकी के दीवान एक धार्मिक पदयात्रा को सुरक्षित निकलवाने की ड्यूटी पर थे। तभी एक तेज रफ्तार अर्टिका कार ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। घायल दीवान का उपचार कराया गया है।

गुलरिया चीनी मिल के बाहर स्टेट हाईवे पर लगी लाइन। ● अमृत विचार

तू है लाजवाब बाबा तू है लाजवाब...

संवाददाता, मैगलगंज

कार्यक्रम में भजन पेश करते कलाकार। ● अमृत विचार

● खाटू श्याम जन्मोत्सव पर झूम उठे कस्बावासी

● संकीर्तन, झांकी और भंडारे का किया गया आयोजन

अमृत विचार: खाटू श्याम जन्मोत्सव के अवसर पर पूरा कस्बा भक्ति रस में सराबोर नजर आया। तू है लाजवाब बाबा तू है लाजवाब भजन पर श्रद्धालु झूम उठे, इससे श्रद्धा, भव्यता और उत्साह का अद्भुत संगम बन गया।

श्री श्याम परिवार समिति मैगलगंज कई वर्षों से श्री खाटू श्याम बाबा के संकीर्तन का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष भी कस्बे के सिद्धेश्वरी देवी आश्रम में खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्य झांकी सजाई गई। कार्यक्रम का आरंभ सीओ मितौली यादुवेंद्र कुमार व प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके बाद आर्केस्ट्रा पर भजन शुरू हुए। वृन्दावन धाम से आए प्रेमानंद महाराज के शिष्य अमन मिश्री ने कार्यक्रम की शुरुआत राधा राधा नाम जाप से की। लगभग आधे घंटे के नाम जाप से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। जिसके बाद पटना बिहार से आईं मुंबई की मशहूर सिंगर गिन्नी कौर ने जब तू है लाजवाब बाबा तू है लाजवाब की प्रस्तुति की तो महिलाएं और तमाम पुरुष अपनी जगहों से उठकर झूमने पर विवश हो गए।

कुमार शानू ने भी कई भजन प्रस्तुत कर पूरी रात समा बांधे रखा। रात के ठीक 12 बजे श्याम परिवार ने केक काटकर बाबा श्याम का जन्मदिन मनाया गया। बाबा का भव्य दरबार श्याम दरबार सेवा दिल्ली के कारीगरों ने सजाया था। कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्याम भक्त पुरुष, महिलाओं व बच्चों ने कीर्तन महोत्सव का आनंद लेते हुए भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पीएसी बल भी मौजूद रहा।

नौ से होगा मौलवी साहब का सालाना उर्स

रोशननगर, अमृत विचारः हैदराबाद थाना क्षेत्र के कस्बा रोशननगर में मौलवी साहब की मजार पर चार दिवसीय सालाना उर्स कार्तिक पूर्णिमा के बाद पड़ने वाले रविवार से शुरू होकर बुधवार तक रहता है। जहां क्षेत्र से लेकर काफी दूर दराज के लोग चारों दिन मजार पर चादरपोशी कर मन्नत मांगते हैं।

मान्यता है कि उर्स में जो भी अकीकदतमंद मौलवी साहब की मजार पर चादरपोशी कर मन्नत मांगता है उसकी मनौती पूरी होती है। मजार के खादिम रमजान मियां ने बताया कि उर्स की तैयारी जोरों पर चल रही है। मजार की सफाई, रंग रोगन कराने, कस्बे की गलियां को साफ कराया जा रहा है। बाजार मैदान में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। दुकानदारों और मजार के लिए प्रकाश की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। चारों दिन उर्स में हैदराबाद पुलिस की सुरक्षा रहती है।

भारत रत्न सरदार पटेल की जयंती मनाई गई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कार्यक्रम में मौजूद खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा व अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● शहर के एक मैरिज लॉन में सपा ने आयोजित किया कार्यक्रम

अमृत विचार: सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल के आयोजन में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शहर के एक मैरिज लॉन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बालकुमार पटेल, खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा और धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया आदि शामिल हुए। सभी ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

पूर्व सांसद बालकुमार पटेल ने कहा कि देश की आजादी के बाद जब भारत सैकड़ों रियासतों में बंटा था, उस कठिन दौर में सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी कार्यकुशलता से 562 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में मिलाकर देश को एक सूत्र में पिरोया। यदि उनकी सूझबूझ न होती, तो आज भारत इतना विशाल और सशक्त नहीं होता। सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सपा सरकार बनने पर सरदार पटेल के नाम पर आधुनिक तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना करेंगे।

सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने दृढ़ निश्चय और मजबूत निर्णयों से रियासतों को भारतीय संघ में मिलाकर अखंड भारत की नींव रखी। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर देश को और मजबूत बनाना है। आयोजक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल ने कहा कि सरदार पटेल का रास्ता ही आज पीडीए का रास्ता है। भाजपा सरकार उनके विचारों से खिलवाड़ कर रही है और समाज में नफरत फैलाकर साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ रही है। लौह पुरुष पटेल ने स्वयं आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि वह संगठन समाज में वैमनस्य फैलाता था। पूर्व एमएलसी शशांक यादव ने कहा कि भाजपा अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सरदार पटेल का नाम लेती है, जबकि असल में वही देश की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जिलाध्यक्ष रामपाल यादव ने कहा कि लौह पुरुष पटेल ने सभी रियासतों को भारत में मिलाकर अखंड भारत का निर्माण किया। पूर्व विधायक रामसरन ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की सीमाओं को बढ़ाया था, लेकिन आज भाजपा सरकार में देश की सीमाएं सिकुड़ रही हैं।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक विनय तिवारी, दाऊद अहमद, अंसार महलूद, सुनील लाला आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में शमशेर बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष मो. कय्यूम खान, पलिया प्रत्याशी प्रीतेंद्र सिंह कक्कू, धौरहरा प्रत्याशी वरुण चौधरी, महिला सभा राष्ट्रीय महासचिव तृप्ति अवस्थी, हिमांशु पटेल, अशोक वर्मा आदि रहे।

रंजिश को लेकर गाली-गलौज और मारपीट, महिला घायल

संवाददाता, सिंगाही/बेलरायां

● पुलिस ने घायल महिला का कराया मेडिकल परीक्षण

अमृत विचार: कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के गांव बरसोला कलां में रंजिश को लेकर एक महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला का मेडिकल परीक्षण कराया है।

गांव बरसोला कलां निवासी केसरी पत्नी रमेश ने बताया कि शुक्रवार की शाम करीब साढ़े चार बजे वह अपने घर पर मौजूद थी। तभी गांव के ही धर्मराज, अनुज, अकरम, गीता रंजीत लाल डंडे लेकर उसके घर पर आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूसों और डंडों से पीटकर उसे घायल कर दिया। पीड़िता के मुताबिक हमले में उसे गंभीर चोटें आईं और परिवार के लोगों ने बीच-बचाव कर जान बचाई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घायल महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। प्रकरण की जांच एसआई मेघनाथ यादव को सौंपी गई है।

मंत्र का विज्ञान केवल भारतवर्ष में है : प्रशांत प्रभु

संवाददाता, पसगवां

● श्री आदि गुरु वैदिक सेवा संस्थान में हो रही श्री शिव महापुराण कथा

शिवमहापुराण में विवाह प्रसंग में शिव पार्वती की झांकी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्री आदि गुरु वैदिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में चल रही श्री शिव महापुराण कथा में प्रशांत प्रभु महाराज ने बताया कि मंत्र का विज्ञान केवल भारतवर्ष में है। इस विज्ञान की काट तो दूर की बात इसकी समझ भी किसी देश के पास नहीं है।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्म ही धर्म है और सनातन विज्ञान वह विज्ञान है जो सृष्टि में जीवनयापन करने और रहने की कला बताता है। सरस्वती का मतलब है सद् गति का जीवन। चीन अमेरिका जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि जो बुद्धि मनुष्य का विनाश करती हो वह सरस्वती नहीं है। उन्होंने कहा कि भूखों, अपाहिजों, अशक्तों, वृद्धों की सेवा का विधान सिर्फ भारतभूमि पर है और यही सरस्वती है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में विवाह संस्कार व यज्ञ है । शादी कोई कांटेक्ट नहीं है जिसे मनचाही स्थित में तोड़ा जा सके। हिंदू धर्म मे अग्नि व शिव-अंबिका को साक्षी मानकर सात फेरे व वचन सहित अन्य पूजन विधि के बाद विवाह संपन्न होता है। जबकि अन्य धर्मों में ऐसा नहीं है इसलिए उनमें तलाक जैसे शब्द है। शादियों में बदलाव हमारी संस्कृति को दूषित कर रहा है। पहले नाचने वाली बुलाई जाती थी अब तो हमारे घर की महिलाएं ही अटपटे कपड़ो में डीजे स्टेज पर नाज रही हैं।

हमें जागरूक होकर सनातनी सभ्यता को बचाना होगा। दरिद्रता के लक्षणों और लक्ष्मी के रहने के लक्षणों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जहां पति पत्नी सूर्योदय के बाद उठते हैं वहां दरिद्रता आती है, जहां सोने वाले बिस्तर पर भोजन किया जाता है, वहां दरिद्रता आती है। अलक्ष्मी को अनिष्टा और ज्येष्ठा लक्ष्मी बताया। लक्ष्मी धारण के अनेक उपायों को बताते हुए कहा कि भोजन भगवान को अर्पण करके ही ग्रहण करना चाहिए। ऐसा शास्त्र विधान है। श्वेत मुनि से भगवान शिव ने कहा कि नौ वर्ष की कन्या का पूजन करना चाहिए।

Rohilkhand
INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क

₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से राजा परीक्षित को मिला मोक्ष

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथाव्यास ने कलियुग आगमन और राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनाते हुए कहा कि भागवत कथा सुनने से ही कलियुग में मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इसके सुनने से मनुष्य का सोया हुआ भाग्य भी जाग जाता है।

गोला में कथा सुनाते नरोत्तम शास्त्री।

नगर के नीलकंठ मैदान में शुक्रवार की रात वृंदावन धाम के कथाव्यास नरोत्तम शास्त्री ने सुनाया कि जब से भगवान श्रीकृष्ण अपनी लीला समाप्त कर गोलोक धाम गए, तभी से कलियुग का वास पृथ्वी पर हो गया। संत के श्राप के चलते जब तक्षक नाग ने राजा परीक्षित को डसा तो उन्होंने अपना शेष जीवन भगवद पुराण सुनकर और भगवान के ध्यान में लगाकर बिताया।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए उन्होंने सात दिन श्रीमद् भागवत कथा सुनी तब उन्हें मोक्ष मिला। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है, इसके सुनने से व्यक्ति का सोया हुआ भाग्य जाग जाता है। कलियुग में श्रीमद् भागवत कथा ही मानव कल्याण का एकमात्र माध्यम है। मुख्य यजमान अमित गुप्ता सपत्नीक, श्रीराम अंरचंलप, मुनेंद्र शुक्ला, विजय वाजपेयी, श्रीराम राजपूत, मनोज त्रिवेदी, पंकज मिश्र, संजय साहनी, किशन कुमार, मनोज तिवारी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सुजई कुंडा पुल के निर्माण को मिली मंजूरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : धौरहरा विधानसभा के सुजई कुंडा पुल के निर्माण के लिए शासन ने अनुमति दे दी है। कई सालों से लंबित पुल की मांग पूरी होने से क्षेत्र की करीब 25 प्रतिशत आबादी को इसका लाभ मिलेगा। पुल का निर्माण होने से बाढ़ के दिनों में छात्र-छात्राओं को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी नहीं पड़ेगी। धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने बताया कि वह काफी समय से पुल निर्माण की मांग कर रहे थे। शासन ने इसके निर्माण की स्वीकृत दे दी है।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आयोजित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मितौली ब्लॉक के सभागार में कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आयोजित हुई, जिसका शुभारंभ कस्ता विधायक ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार जनहित में कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिसका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मितौली से खंजन नहर तक के रास्ते को पीडब्ल्यूडी में शामिल कर जल्द ही निर्माण कराया जाएगा। बैठक में ब्लॉक प्रमुख राजीव वर्मा, सहायक खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार, समाज कल्याण अधिकारी प्रिया दीक्षित आदि अधिकारी और तमाम क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

चलती बाइक में लगी आग, जलकर राख

मूड़ा सवारान, अमृत विचार : लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर बस्तौली और गुलरिया के बीच शुक्रवार देर रात एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। हादसे में बाइक चालक भीरा थाना क्षेत्र के हिकमत नगर गांव निवासी प्यारे लाल बाल-बाल बच गए,जबकि बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना रात करीब 10 बजे हुई। प्यारे लाल ने बताया कि वह लखीमपुर गए थे। वापसी के दौरान गुलरिया और बस्तौली के बीच रास्ते में बाइक में अचानक आग लग गई। उन्होंने चलती बाइक से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है।

मोबाइल छीनने का आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी पुलिस ने नयागांव देवरी निवासी चांद मिया का मोबाइल छीनने वाले आरोपी मोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान भेजा है।

रैली में दिया सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा का संदेश

छात्रों को दिलाई यातायात नियमों के पालन की शपथ, सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शनिवार को यातायात जागरुकता माह नवंबर का आरंभ बड़े ही उत्साह और अनुशासन पूर्ण माहौल में किया गया। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का मजबूत संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एएसपी (पूर्वी) पवन गौतम ने किया। एएसपी ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों और उनके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर साल हजारों जानें सड़क हादसों में चली जाती हैं, जिन्हें केवल थोड़ी सी सावधानी से बचाया जा सकता है। वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और मोबाइल फोन का इस्तेमाल वाहन चलाते समय कदापि न करें।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार व मित्रों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। सभी ने हाथ उठाकर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। इस दौरान पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र, टीएसआई सचिन गंगवार, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षक, स्कूली छात्र-छात्राएं समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यातायात माह में होंगे जन जागरुकता कार्यक्रम : अधिकारियों ने बताया कि पूरे नवंबर को यातायात जागरुकता माह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा गोष्ठियां भी शामिल हैं। इसके साथ ही हेलमेट और सीट बेल्ट जांच अभियान चलेगा। पोस्टर एवं बैनर प्रतियोगिता, सड़क सुरक्षा रैलियां और नुक्कड़ नाटक और वाहन चालकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस लाइन मैदान में एकत्र छात्र, एनसीसी कैडेट्स और व पुलिस अधिकारी।

शहर में निकाली जा रही जन जागरुकता रैली। ● अमृत विचार

पुलिस लाइन मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करते प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी।

यातायात सुरक्षा रैली और प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शपथ ग्रहण के बाद एएसपी (पूर्वी) पवन गौतम व सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी सदर विवेक तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर यातायात सुरक्षा रैली और प्रचार वाहन को रवाना किया। रैली में शामिल एनसीसी कैडेट्स और स्कूली छात्रों ने सड़क के चार सबसे बड़े दुश्मन नशा, नींद, रफ्तार और अधिक भार जैसे नारे लगाकर सड़क सुरक्षा का जनसंदेश दिया। रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने की प्रेरणा देती रही।

नियमों के पालन से ही बचेंगी अनमोल जानें

अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित न करें। वाहन में निर्धारित संख्या से अधिक सवारी न बैठाएं और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करें। नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्यार्थियों को दी गई नए कानून की जानकारी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट के बारे में किया जागरूक

अमृत विचार: पब्लिक इंटर कॉलेज में पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नए कानून बीएनएस, बीएनएसएस के बारे में बताते हुए साइबर क्राइम, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अरेस्ट के बारे में जागरुक किया।

उप निरीक्षक अपूर्वा शर्मा, उप निरीक्षक बबीता, आरक्षी अंजलि, प्रियंका, अरुण पाल ने कहा कि आजकल साइबर क्राइम बहुत बढ़ गए हैं। ऑनलाइन ठगी हो रही है तथा डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आ रहे हैं, इससे सावधान रहें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध कॉल, वीडियो कॉल आए तो पुलिस को सूचित करें।अनेक पुराने कानून का स्थान नए कानून ने लिया है, जहां पहले दंड आधारित न्याय व्यवस्था थी, अब उस व्यवस्था को न्याय केंद्रित कर दिया गया है, जिससे लोगों को समय से न्याय मिल सके। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम में परिवर्तन करके नए रूप में लाया गया है।

प्रधानाचार्य बाबूराम सागर ने कहा कि नए कानून सुसंगत और तर्कपूर्ण हैं। दंड आधारित व्यवस्था को समाप्त करके न्याय आधारित व्यवस्था प्रतिस्थापित की गई है। भारतीय दंड संहिता में 511 कानून थे, जबकि भारतीय न्याय संहिता में 358 कानून, 20 अध्याय हैं। रमेश कुमार मौर्य, रमेश चंद, सविता देवी, संगीता देवी, दिनेश कुमार तिवारी, पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा सहित शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद रहे।

पब्लिक कॉलेज में विद्यार्थियों को नये कानूनों की जानकारी देतीं एसआई अपूर्वा शर्मा।

मत्स्य पालकों ने बताई विभिन्न समस्याएं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के जलालपुर गांव के पंचायत भवन में हुई मत्स्य संगठन की बैठक में मत्स्य पालकों ने कार्यक्षेत्र की विभिन्न प्रकार की समस्याएं बताई। साथ ही केमिकल युक्त पानी से ख़म्हौल गांव में तालाब की मछलियों के मरने का मुद्दा भी उठाया गया।

बैठक सुरेश चंद्र कनौजिया की अध्यक्षता में हुई, जिसमें प्रदेश महामंत्री गिरजा शंकर कश्यप ने मत्स्य पालकों की समस्याएं और शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालक अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कुछ गांव में तालाब में पड़ी मछलियां चोर रात में पकड़कर बेच रहे हैं, जिससे मत्स्य पालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही उन्होंने ख़म्हौल गांव में रंजीत कुमार के तालाब में मिठाइयों के बनाने में प्रयोग किए जाने वाले केमिकल युक्त पानी से तालाब में पड़ी मछलियां मर गई, जिससे उसे पांच लाख का नुकसान हुआ है। जब वह फैक्ट्री मालिक के यहां शिकायत करने गया तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। उसने अधिकारियों से शिकायत की परंतु प्रशासन के अनदेखी से कोई कार्यवाही नहीं हुई है। संगठन ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई किए जाने को कहा है। जितेंद्र कुमार कश्यप, मोतीलाल कश्यप, रंजीत कुमार कश्यप, आकाश कश्यप, कार्तिक कश्यप, सूरज कुमार, राजकुमार, राजेश कुमार, राधेश्याम आदि मत्स्य पालक मौजूद रहे।

जलालपुर में मत्स्य पालकों की बैठक में बोलते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● मत्स्य संगठन की बैठक में खम्हौल के तालाब में मरी मछलियों का भी उठाया मुद्दा

शंकराचार्य ज्योतिर्मठ अगले माह छोटी काशी आएंगे

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर निवासी आकाश नारायण अवस्थी ने बताया कि उन्होंने शंकराचार्य जी से गोला आने की प्रार्थना की, जिसे उन्होंने स्वीकार किया है। उन्होंने गोला में गोधाम स्थापना का निर्देश देते हुए आचार्य शंकर भारत उद्भासक मंडल के कार्य को गतिशील करने के निर्देश दिए। जनपद खीरी ज्योर्तिमठ क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गोला में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की शीघ्र ही आधिकारिक घोषणा ज्योतिर्मठ कार्यालय द्वारा भी की जाएगी। ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक आयोजन को आचार्य शंकर भारत उद्भासक मंडल के केंद्रीय सचिव आकाश नारायण अवस्थी, सचिव इं. मिलिंद कुमार शुक्ल द्वारा साकार कराया जाएगा।

रॉकेट्री: अंतरिक्ष ज्ञान प्रतियोगिता में रिया की टीम को प्रदेश में दूसरा स्थान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: अंतरिक्ष में युवाओं के भविष्य की योजना को तलाश रहे वैज्ञानिकों ने पहली बार कुशीनगर में आयोजित हुई स्पेस मॉडल रॉकेट्री इंडिया स्टूडेंट प्रतियोगिता में अंतरिक्ष शिक्षा और नवाचार में नगर की रिया वर्मा और उनकी टीम के द्वारा बनाए गए मॉडल रॉकेट को प्रदेश में दूसरा स्थान मिलने पर उनके परिवार वालों ने खुशी व्यक्त की है।

यूपी के कुशीनगर में हुई स्पेस मॉडल अंतरिक्ष ज्ञान प्रतियोगिता में नगर के त्रिलोक गिरी मार्ग स्थित रिया मेडिकल स्टोर के संचालक रामसिंह वर्मा की पौत्री रिया वर्मा पुत्री रंजीत वर्मा कानपुर आईआईटी की छात्रा है। उसकी टीम ने वैज्ञानिकों के निर्देशन में रॉकेट मॉडल बनाए, जो एक किलोमीटर की ऊंचाई तक आकाश में पहुंचा और पैराशूट के माध्यम से नीचे उतरा, जिससे तापमान, दबाव, ऊंचाई और जीपीएस डाटा की जानकारी एकत्र करने में आसानी हुई है। रिया वर्मा की टीम को रॉकेट्री और स्पेस इनोवेशन सुदर्शन रॉकेट टीम की ओर से बेस्ट डिजाइनर का अवार्ड देते हुए प्रदेश में द्वितीय स्थान मिला है। उसकी इस उपलब्धि से नगर, जनपद और प्रदेश का मान बढ़ा है।

लखनऊ में पुरस्कृत टीम के साथ रिया वर्मा। ● अमृत विचार

● अंतरिक्ष में युवाओं के भविष्य की योजना को तलाश रहे वैज्ञानिक

विधायक ने विजेता टीम को दिया 5000 का पुरस्कार

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: थारू गांव बजाही में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दर्शकों ने रोमांचक मुकाबले का खूब आनंद लिया। शो मैच बजाही ए और बजाही बी टीमों के बीच खेला गया। जिसमें बजाही ए टीम ने तीन सेटों से मुकाबला जीत लिया। मुख्य अतिथि विधायक रोमी साहनी ने वियजी टीम को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया।

पहले सेट में बजाही ए ने 21-15 से बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में बजाही बी ने वापसी की काफी कोशिश की, लेकिन बजाही ए ने 21-18 से यह सेट भी जीत लिया। तीसरे सेट में बजाही ए ने 21-13 से निर्णायक बढ़त बनाकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के खिलाड़ियों में अंकु, बबलू, गुड्डू, बबलू प्रधान, रोशन, गुड्डू प्रधान, सोनू और काले ने उम्दा तालमेल और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पलिया विधायक रोमी साहनी ने विजेता टीम बजाही ए को 5000 रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वॉलीबॉल मैच का उद्घाटन पिपरौला प्रधान छैल बिहारी राणा और अभिनव मिश्रा ने किया।

विजेता टीम को पुरस्कृत करते विधायक रोमी साहनी। ● अमृत विचार

● थारू गांव बजाही में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

छात्राओं ने लखनऊ का किया शैक्षिक भ्रमण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: गुरु हरिकिशन महाविद्यालय के एमए चित्रकला द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने लखनऊ राज्य संग्रहालय और प्राणि उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण कर वहां की गतिविधियों से ज्ञान अर्जित किया। एमए द्वितीय वर्ष के 29 विद्यार्थियों के समूह को प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह ने नए बाईपास से रवाना किया। समूह ने नवाब वाजिद अली शाह, लखनऊ प्राणि उद्यान के अंदर स्थित राज्य संग्रहालय में विभिन्न कला दीर्घा मूर्तिकला, चित्रकला, अवध की चित्रकला, रुहेलखंड की चित्रकला, लोककला, मिश्रकी कला, विदेशी मूर्ति कला आदि विभिन्न दीर्घाओं तथा जुरासिक पार्क का भ्रमण किया। अशोक कुमार वर्मा ने संग्रहालय में प्राचीन वस्तुओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

मेड़ बांधने को लेकर चचेरे भाइयों में संघर्ष, मां-बेटा घायल

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दौलतापुर के गांव नौगवां में शनिवार शाम मेड़ बांधने को लेकर दो भाइयों के परिवारों में विवाद बढ़ गया कि कुल्हाड़ी चल गई। घटना में एक युवक और उसकी मां गंभीर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव नौगवां निवासी सुरजन लाल और उनके छोटे भाई राजेंद्र प्रसाद पुत्र खुशीराम के बीच खेत की मेड़ को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। शनिवार शाम करीब चार बजे राजेंद्र प्रसाद ने अपने बेटे श्यामू के साथ मिलकर खेत की मेड़ पर दोबारा पिलर गाड़ना शुरू किया। इस पर सुरजन लाल के बेटे संतोष कुमार ने आपत्ति जताई। विवाद इतना बढ़ गया कि गाली-गलौज के बाद राजेंद्र प्रसाद और उसका बेटा श्यामू ने संतोष कुमार के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जब संतोष की मां शांति देवी बेटे को बचाने पहुंचीं, तो उन पर भी कुल्हाड़ी से वार कर दिया गया। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हल्का इंचार्ज गौरव सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया है।

● घायलों की हालत गंभीर अस्पताल में कराया भर्ती

विद्यार्थियों व ग्रामीणों को बताए नए कानूनी प्रावधान

रामाधीन इंटर कॉलेज में कार्यक्रम में मौजूद पुलिस व छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: नए आपराधिक कानूनों को लेकर पुलिस ने शनिवार को जागरुकता अभियान चलाया गया। ओरीपुरवा गांव और रामाधीन इंटर कॉलेज पहुंचकर विद्यार्थियों व ग्रामीणों को नए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

रामाधीन इंटर कॉलेज में महिला कांस्टेबल दिव्या और दरोगा अविनाश ने छात्र-छात्राओं को महिलाओं से जुड़े अधिकारों पर जानकारी दी। महिला कांस्टेबल दिव्या ने बताया कि छिपी पहचान या झूठे वादे के आधार पर यौन संबंध बनाना दंडनीय अपराध है। 18 वर्ष से कम आयु की पीड़िता से सामूहिक दुष्कर्म मामलों में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक की सजा है। ओरीपुरवा में दरोगा गौरव सिंह और महिला सिपाही अंजू ने ग्रामीणों को बताया कि अब ई-एफआईआर का प्रावधान लागू हो है। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक राजू राव, हिमांशु गौतम, रवि गंगवार आदि रहे।

दलितों पर अत्याचार के विरोध में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● मिशन सामाजिक परिवर्तन ने मुख्यमंत्री से की रोकथाम की मांग

अमृत विचार: मिशन सामाजिक परिवर्तन के पदाधिकारियों ने राज्य में दलितों पर लगातार हो रहे अत्याचारों, हिंसा और सामाजिक भेदभाव की घटनाओं के विरोध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा है।

संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट रमाकान्त चौधरी ने एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों लखीमपुर खीरी, लखनऊ, रायबरेली आदि में हाल के दिनों में दलित समाज के लोगों पर बर्बर अत्याचार की घटनाएं सामने आई हैं। बिजुआ में दलित पीड़ित को विपक्षियों ने बेरहमी से पीटा और तमंचे की नली मुंह में डालकर हत्या का प्रयास किया। लखनऊ (काकोरी) में आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा बुजुर्ग दलित रामपाल को पेशाब चटवाने की घृणित घटना हुई, जबकि रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की पीट पीटकर हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा कि यह घटनाएं दलित समाज में असुरक्षा की भावना को गहराती हैं और संविधान में निहित समानता, न्याय एवं बंधुता के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में पुलिस प्रशासन की लापरवाही और पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

संगठन ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि दलित उत्पीड़न की घटनाओं की निगरानी हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। सभी लंबित मामलों में अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत शीघ्र न्यायिक कार्रवाई की जाये।

पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता, सुरक्षा और पुनर्वास की सुविधा दी जाए। ज्ञापन देते समय विवेक कुमार गौतम एडवोकेट, सरजीत कुमार एडवोकेट, अशर्फीलाल गौतम, विक्रम सिंह, मनोज रावत, अनुज कुमार, संतोष कुमार भारती एडवोकेट, अवधेश कुमार, राजेश्वर दयाल, रामाधीन सहित कई लोग शामिल रहे।

गोला में एसडीएम को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

आवश्यकता है

फार्मा कंपनी में

फील्ड वर्क में कार्य करने हेतु लड़कों की

सेल्स एग्जीक्यूटिव

के पद के लिए

योग्यता इंटरमीडिएट / स्नातक

कार्य करने हेतु बाइक अनिवार्य, फ्रेशर्स भी आवेदन कर सकते हैं।

सैलरी 12000 व पेट्रोल खर्च 1.75/- किमी.

सम्पर्क करें:- नितिन शर्मा मो. 918958039775

bluestrongpharmaceuticals@gmail.com

आवश्यकता है

सेल्समैन और सेल्सगर्ल एवं गार्ड की,

गर्म कपड़ों के शोरूम

ओसवाल कलैक्शन

46, सिविल लाईंस, होटल ओबराय आनंद बेसमेंट हाल, हनुमान मंदिर के सामने, बरेली।

मो. 8847392798

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल वर्ष 2010 रोल नं. 0920979 का अंकपत्र व सनद, इण्टरमीडिएट वर्ष 2015 रोल नं. 0922723 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र, डिप्लोमी इन फार्मेसी जोकि तीर्थांकर विश्वविद्यालय मुरादाबाद वर्ष 2015 से 2017 इनरोलमेंट नं. TPH1501031 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र, उ.प्र. फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र रजि नं. 83454 वर्ष 26.10.2018 व ग्रीन बुक सीरियल नं. 159510/1596 कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। प्रसंजीत पुत्र श्री शंकर लाल निवासी ईधजागीर तह. नवाबगंज जिला बरेली।

सूचना

मेरे आर्मी नं.- 14838843 P Rank HAV/MT (JANARDHANARAO KALISETTY)मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरे पुत्र का नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है। जबकि वास्तविक सही नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) है, जो आधार कार्ड के अनुसार सही है। मो. 7674919657

सूचना

मैंने अपने पुत्र संजीव कुमार व पुत्रवधू नीरज से उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। भगवान दास पुत्र मंगली प्रसाद निवासी- ग्राम/मोहल्ला भिटौरा, थाना फतेहगंज पश्चिमी, बरेली।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने एस आर एम इंटर कॉलेज बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2013 में हाई स्कूल की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका क्रमांक 1108580 उत्तीर्ण की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। सौरभ दुबे पुत्र रमेश चंद्र दुबे मोहल्ला दुबे बीसलपुर जिला पीलीभीत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2017 में इंटरमीडिएट की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका अनुक्रमांक 0724545 पास की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। प्रियंका सिंह पत्नी रोहित सिंह निवासी- 353 हजियापुर फाटक वाली गली पुराना शहर जिला बरेली

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- लाइब्रेरियन (अनुभवी)
- लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
- ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
- नर्सिंग स्टाफ (मेल)
- कैंटीन (कुक)
- सफाईकर्मी/स्वीपर

वेतन:- योग्यतानुसार

सम्पर्क करें:-

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली

मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां-प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। आपत्तियों का निस्तारण जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 11 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद अनुमोदित केंद्र सूची 17 दिसंबर को अपलोड होगी। हालांकि इसके बाद भी 22 दिसम्बर तक पुनः आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण कर अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी।

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भाजपा

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनभागीदारी को सशक्त बनाएगी भाजपा : भूपेंद्र सिंह

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें।

उन्होंने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

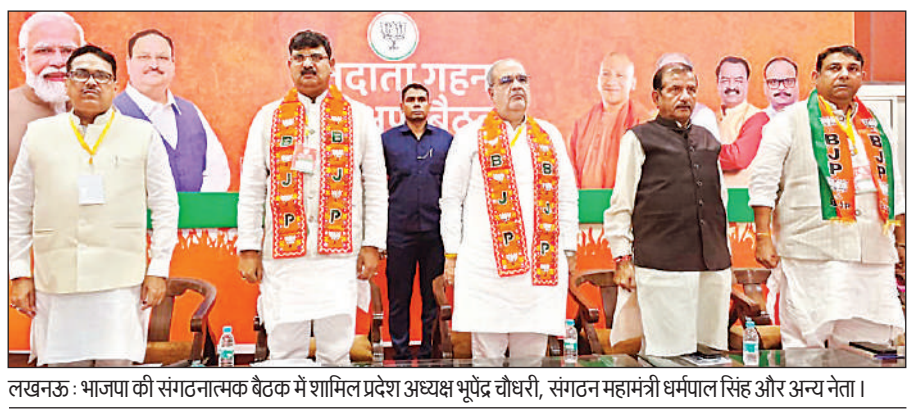

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

संगठनात्मक बैठक में शामिल होने प्रदेशभर से आए जिलों के भाजपा पदाधिकारी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी करेंगे।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर

उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

प्रतिक्रिया

यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

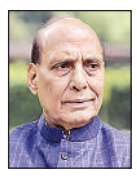

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री उत्तर प्रदेश

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है।

चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

दुग्धाभिषेक व महाआरती... तिगरी गंगा मेला आरंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व डीआइजी मुनिराज सिंह, डीएम ने की पूजा

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले का देवोत्थान के मौके पर हवन-यज्ञ के बाद दुग्ध अभिषेक और महाआरती कर शुभारंभ हो गया। शुभारंभ के मौके जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व डीआइजी मुनिराज सिंह ने यज्ञ में आहुति देकर पूजा अर्चना की।

तिगरी गंगा में स्नान करने को उमड़ पड़े श्रद्धालु।

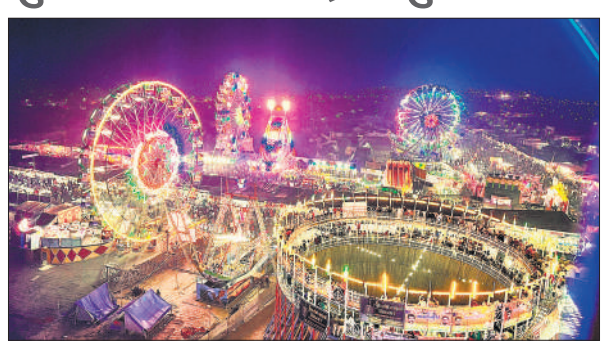

तिगरी गंगा मेले में रात में रोशनी से नहाए झूले।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पश्चिम अमरोहा के प्रसिद्ध तिगरी गंगा धाम में मेला लगता है। जिसमें 25-30 लाख श्रद्धालुओं का बसेरा रहता है। शनिवार की शाम को इस मेले का मां गंगा की आरती व दुग्ध अभिषेक कर शुभारंभ हो गया। मेले में पहुंचे सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने गंगा के पावन तट पर बने पंडाल में बैठ यज्ञ में आहूति देकर पूजा अर्चना की। उसके बाद पतित पावनी गंगा की निर्मल धारा में दुग्ध अभिषेक किया गया। दुग्ध अभिषेक के बाद सभी शासनिक व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पतित पावनी गंगा के तट पर बने भव्य मंच से पंडितों के साथ मंत्र उच्चारण कर मां गंगा की आरती भी की गई। तत्पश्चात मां गंगा के तट के समीप बने भव्य मंच पर बाहर से बुलाए गए कलाकारों द्वारा भजन संध्या के साथ-साथ लेजर शो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में डीएम निधि गुप्ता वत्स, एसपी अमित कुमार आनन्द, एडीएम गरिमा सिंह, सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्र, एएसपी अखिलेश भदौरिया, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजली कटारिया, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, एमएलसी डा. हरि सिंह ढिल्लो, अमरोहा चेयरमैन शशि जैन, धनौरा चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, डॉ.राजीव त्यागी, आदि मौजूद रहे। **मेले में 400 स्काउट गाइड दे रहे सेवा :** तिगरी गंगा मेले में जनपद के कई विद्यालयों के स्काउट अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्काउट बच्चे अलग-अलग दल के रूप में मेला क्षेत्र में घूमकर परिजनों से बिछड़े बच्चों व बड़ों को मिलवा रहे हैं। यातायात व्यवस्था को भी संभालने में भी वे अपना योगदान दे रहे हैं। सदर चौक पर श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए बनाए गए मार्गों पर ही आने जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सदर चौक पर बने भारत स्काउट के कार्यालय परिसर में सोमवार को शिक्षिकाओं ने रंगोली भी सजाई। यहां एक मचान भी बनाया गया है, जहां खोये हुए बच्चों को मिलवाया जा रहा है। स्काउट सूचना केन्द्र से मेले में श्रद्धालुओं के पालन करने सम्बंधी निर्देशों व अफसरों द्वारा दी जाने वाली आवश्यक सूचनाओं को ध्वनि विस्तारक यंत्र दे रहे हैं।

तिगरी में शनिवार सुबह गंगा घाटों के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही। लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। गंगा घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरे नजर आए। तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा स्नान के लिए पहुंचना शुरू हो गया। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। परिवार एवं समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। बहुत से श्रद्धालुओं ने गंगा में प्रसाद आदि चढ़ाया। गंगा किनारे धूप-दीप जलाकर पूजा की। युवाओं ने गंगा स्नान के बाद गंगा किनारे मस्ती भी की।

तीन किशोरी एक साथ प्रेमियों के साथ फरार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र से एक साथ तीन किशोरी सहेलियां प्रेमियों के साथ फरार हो गईं। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर किशोरियों की तलाश शुरू की एक किशोरी प्रेमी के साथ हिमाचल तो दूसरी रुद्रपुर गई है। जबकि तीसरी को पुलिस ने बरामद कर लिया। टीम दोनों की बरामदगी के लिए रवाना हो चुकी है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र से दो 16 वर्षीय और एक 14 वर्षीय किशोरी 29 अक्टूबर को एक साथ लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की मगर कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस को पता चला कि 29 अक्टूबर दोपहर बाद तीनों किशोरी एक साथ घर से यह कहकर निकलीं कि वह बाजार में कपड़ा खरीदने जा रही हैं। घर से निकलने पर वापस नहीं लौटी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पता चला कि तीनों एक साथ ऑटो में बैठ कर सेटेलाइट बस अड्डे पर आईं और यहां से बस में बैठ कर निकल गईं। तीनों के पास मोबाइल फोन नहीं है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्लांट, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, निविदा संख्याः EL-MWS-GKP-2025-26-12, कार्य का विवरण : कोच अल्टरेशन इन इलेक्ट्रिकल सिस्टम इन 1000 कोचेज ऑफ 2–टियर एल.एच.बी. एलॉटेड क्वांटिटी 50 नं. कोचेज। अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 70,35,486.50, बयाने की राशि (रू.में): ₹ 1,40,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से–12 महीना।

• आन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथिः 24-11-2025, समय 11:00 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जीनियर/प्लांट (कार.), मुजाधि/याँत्रिक–87 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आवश्यकता है

अस्थाई रूप से सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र जिला अस्पताल बरेली में

1. प्रोग्राम मैनेजर -1 पद

योग्यता – MSW/MA Sociology
मानदेय –21000/– प्रतिमाह
कम से कम 1 वर्ष का अनुभव

प्रत्यक्ष रूप या डाक से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025 शाम 5 बजे तक

ईमेल- bareilly.chetna@gmail.com

पता : महाराणा प्रताप संयुक्त जिला अस्पताल, बरेली

संपर्क :

8799261418, 9897934428

दिनांक 23.10.2025 को प्रकाशित विज्ञापन सम्पूर्ण सुरक्षा मैनेजर (SSM) का आवेदन किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा रहा है।

कोर्स चिकित्सकों को आत्मविश्वास और कौशल दोनों प्रदान करते हैं : डॉ. लता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के बाल रोग विभाग की ओर से भारतीय बाल रोग अकादमी के सहयोग से शनिवार को दो दिवसीय एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (पीडियाट्रिक) प्रोवाइडर कोर्स की सीएमई का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि बाल आपात स्थितियों में प्रशिक्षित चिकित्सक एक सशक्त स्वास्थ्य प्रणाली की नींव है। ऐसे कोर्स चिकित्सकों को आत्मविश्वास और कौशल दोनों प्रदान करते हैं। यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ. अशोक अग्रवाल ने कहा कि रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज सदैव उत्कृष्टता और नैतिक शिक्षा के प्रति समर्पित रहा है। यह आयोजन हमारे संस्थान की अकादमिक सशक्तता का उदाहरण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति लता राय एवं प्रोफेसर डा. अनीता कुमारी ने किया। संचालन कोर्स डायरेक्टर डा. पियाली भट्टाचार्य एवं कोर्स कोऑर्डिनेटर डा. प्रीति लता राय के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें 40 चिकित्सकों ने भाग लिया। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. चांसलर डॉ. अशोक अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. लता अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. रजनीश पठानिया एवं आईएपी शाखा के अध्यक्ष डॉ. रुचिन अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। प्रिंसिपल डॉ. रजनीश पठानिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एएलएस जैसे कोर्स चिकित्सकों को आपातकालीन स्थितियों में टीमवर्क और त्वरित निर्णय क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ. रुचिन अग्रवाल ने कहा कि आईएपी का उद्देश्य देशभर में बाल आपातकालीन देखभाल को सुदृढ़ करना है और आरएमसीएच इस दिशा में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन कई विषयों पर व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन स्किल सत्र आयोजित किए गए। सभी प्रशिक्षण सत्रों में डॉ. अनीता कुमार, डॉ. नीता भार्गव, डॉ. संध्या चौहान, डॉ. प्रीति लता राय, डॉ. प्रियंका, डॉ. मानसिंह परिहार समेत फैकल्टी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

परीक्षा में आधे से भी कम अभ्यर्थी हुए शामिल

बरेली, अमृत विचार : यूपी पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए की सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा जिले में शनिवार को 15 केंद्रों पर हुई। जिसमें आधे से भी कम अभ्यर्थी शामिल हुए। डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अभ्यर्थियों से बात कर उनकी समस्या को भी जाना। अफसरों के अनुसार परीक्षा में 6960 में से 2912 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 4048 अनुपस्थित रहे। इस दौरान टीम ने अभ्यर्थियों पर पैनी नजर रखी।

कार्यालय ग्राम पंचायत खिरिया वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खिरिया में मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री ईंट, खडंजा आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन तिथि से तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मों/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1.	ग्राम पंचायत खिलिया के ग्राम घनश्यामपुर में मेन रोड से कश्मीर के मकान तक मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य।	3.83 लाख

मोनिका सिंह (ग्राम प्रधान) **गंगा महेश पाण्डेय (सचिव)**

कार्यालय ग्रा.पं. सिठौरा वि.खं. भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक : 02.11.2025

समस्त अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिठौरा में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् ईंट-बजरफुट, सरिया, सरिया, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 02.11.2025 से 05.11.2025 तक किसी समय खोली जा सकती है। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनु. लागत
1.	दोदराज के घर से बाबू सेठ की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	76X2.5 मी	188000.00
2.	छेदा लाल सागर के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	130X4 मी	370000.00

अभिषेक सिंह-सचिव **वीरमति-ग्राम प्रधान**

कार्यालय नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली)

पत्रांक : 966/न.पा.परि.नवा./2025-26 दिनांक : 01.11.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली) द्वारा 14वां वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि, के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में डी/सी श्रेणी में कार्यो की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नवत् है-

1. वेबसाइट पर डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 03.11.2025
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 24.11.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 24.11.2025 को 03:00 बजे
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद , नवाबगंज, बरेली।

फर्जी किरायानामा से फर्म बनाकर की टैक्स चोरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट**

अमृत विचार : एक व्यक्ति ने फर्जी किरायानामा से बोगस फर्म बनाकर 4.39 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की। राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

राज्य कर अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि जौनपुर में पंजीकृत एक फर्म सर्वश्री विनोद इंटरप्राइजेज जांच में बोगस पाई गई थी। फर्म रजिस्ट्रेशन के लिए जिस ईमेल और फोन नंबर का इस्तेमाल किया गया था, उस पर अन्य फर्मों का रजिस्ट्रेशन भी कराया गया था। इन फर्मों की जांच के आदेश दिए गए थे। इसके अलावा पीलीभीत बाईपास पर नवादा शेखान के पते पर दर्शायी गई फर्म सर्वश्री ठाकुर इंटरप्राइजेज की जांच जीएसटी पोर्टल पर की गई। जांच में पाया कि फर्म ने कोई आयात नहीं किया लेकिन कागजों पर तीन फर्मों को सप्लाई दिखाई गई। जांच में पाया कि फर्म का मालिक अभिषेक ठाकुर निवासी वैशाली विहार बिना इनवर्ड प्राप्त किए फर्जी आपूर्ति घोषित कर टैक्स चोरी कर रहा था। अभिषेक ने फर्जी बिलिंग के जरिए करीब 2441.95 लाख रुपये की सप्लाई दिखाकर 439.55 लाख रुपये का अवैध आईटीसी पास ऑन किया। बरेली रेंज ए के उपायुक्त टीम के साथ जब फर्म के पते पर जांच करने पहुंचे तो वहां एक मकान मिला। मकान पर फर्म का कोई बोर्ड नहीं था। मौके पर मिले वेदपाल ने बताया कि ठाकुर इंटरप्राइजेज नाम से कोई फर्म संचालित नहीं होती है। वेदपाल की पत्नी नीलम की तरफ से बनाए गए किरायानामा को दिखाया तो बताया गया कि नीलम की मृत्यु 2021 में हो चुकी है जबकि किरायानामा 2024 में बनाया गया था। आसपास अभिषेक का फोटो दिखाया गया लेकिन किसी ने उसकी पहचान नहीं की। इससे स्पष्ट हो गया कि फर्म खोलने के लिए जिस किरायानामा का प्रयोग किया गया है वह भी फर्जी है। अभिषेक ठाकुर के खिलाफ बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस आरोपी अभिषेक की तलाश कर रही है। बता दें कि राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार पैर में लगी गोली

बरेली/आंवला, अमृत विचार : आंवला थाना क्षेत्र में गैंगस्टर एक्ट में वांछित हिस्ट्रीशीटर गौसिया चौक निवासी दानिश को शुक्रवार रात पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि वांछित आरोपी दानिश बिलायतगंज के पास स्थित बंद पड़े मकबरे में छिपा हुआ है। सूचना पर बाइक सवार पुलिसकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भागने लगा। उसने खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो दानिश के दाहिने पैर में जा धंसी और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ हत्या की कोशिश की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। 2 अगस्त को इंस्पेक्टर आंवला कुंवर बहादुर सिंह ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंग लीडर दानिश और उसके साथियों रईस अहमद उर्फ घिर्री, लालू यादव, नेत्रपाल और मोवीन के खिलाफ कार्रवाई की थी। आंवला सीओ नितिन कुमार ने बताया कि दानिश के खिलाफ गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 10 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह आंवला थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। वहीं पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किए।

अवैध संबंधों के शक में करती थी विवाद

कार्यालय संवाददाता, नवाबगंज (बरेली)

- **हाफिजगंज के अनिल ने अनीता से किया था प्रेम विवाह**
- **पति ने की थी हत्या, पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार**

अमृत विचार : नवाबगंज थाना क्षेत्र के ओम सिटी कॉलोनी में अनीता की हत्या करने वाले पति समेत पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी पति ने बताया कि अवैध सबंधों को लेकर उसकी पत्नी शक करती थी आए दिन विवाद होने के कारण उसने अनीता को मार डाला। पुलिस ने पांचों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम कमुआ हाफिजगंज निवासी पति अनिल कुमार, जमुना प्रसाद, भगवानदेई, सचिन और महेश कुमार के रुप में हुई है। वारदात को लूट दिखाने के लिए हत्यारोपी पति ने शव को बेड में छिपाया था।

हाफिजगंज के कमुआ गांव निवासी अनिल ने पिछले साल नवंबर में अनीता से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों अनिल के छोटे भाई सचिन के साथ कॉलोनी में किराए के मकान में रहने लगे थे।

आरोप है कि फुफेरे भाई की साली अनीता से एक वर्ष पूर्व हुए प्रेम विवाह के बाद से ही मृतका के ससुराल पक्ष के लोग कार की मांग कर विवाहिता को प्रताड़ित करते थे। जब कि मृतका के भाई ने अपनी जमीन बेच कर विवाह में 14 लाख रुपये खर्च किया था। जिनमें 10 लाख नकदी और 4 अन्य कार्यों में खर्च किया था। मृतका का पति उसे धमका कर कई बार हजारो रुपये भी ऐंठ चुका था और मांग पूरी न होने से खिन्न होकर ही ससुरालियों ने उसकी गला रेत कर हत्या कर दिया। अनीता शारीरिक रूप से काफी मजबूत थी और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी। घर में बिखरा सामान और मुड़ा हुआ हंसिया बताता है कि उसने आखिरी सांस तक हमलावरों से मुकाबला किया। पुलिस सभी आरोपियों की तलाश कर रही थी इसी बीच पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना मे सम्मलित आला कत्ल भी आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद कर लिया है।

47वाँ स्थापना दिवस समारोह

विराट कुक्कुट मेला एवं कृषक संगोष्ठी

(रविवार, 2 नवम्बर, 2025)

सुस्वागतम् सुस्वागतम्

मुख्य आकर्षण

● कुक्कुट प्रदर्शनी द्वारा मुर्गी, बटेर, टर्की, गिनी फाउल की प्रजातियों का प्रदर्शन ● नवीन उत्पादों-अंडे का पेड़ा, मीट बडियों, अंडी की रसमलाई, मीट बाईट आदि की जानकारी ● नवीनतम प्रोद्योगिकियों-कैरी एग शील्ड, कैरी बूस्ट, कैरी टोक्सोमिन, कैरी हाई प्रोटीन एग ड्रिंक, कैरी कम्फर्ट, सस्ता मुर्गी दाना तैयार करना आदि की जानकारी ● सरकारी, गैर सरकारी व वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ● कृषक संगोष्ठी द्वारा पॉल्ट्री में आने वाली समस्याओं का समाधान ● कुक्कुट पालन में आने वाली बीमारियों की रोकथाम व उपचार की वैज्ञानिक जानकारी ● मुर्गी अंडा, माँस व अन्य पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन व बिक्री

स्थान : केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, पीलीभीत रोड, बरेली
समय : 10:00 प्रातः से 4:00 बजे सायं तक

आप सादर आमंत्रित हैं

भाकृअप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243122, बरेली (उ.प्र.)

Walk-in-Interview

For the Post of Sampoorna Suraksha Manager (SSM) Under NACP-V (01 Post Contractual)- Honorarium Rs. 21,000 PM, Upper Age Limit Maximum 45 Yrs.

Education Qualification : Graduate degree holder in Psychology/Social Work Sociology Anthropology/Human development/ Nursing with 3 years of experience in counselling /educating under National Health Programe, "OR" Post-graduate in Psychology/Social Work/Social/ Anthropology/ Human development/Nursing.

If Candidate is a Person Living with HIV/AIDS (PLHIV): Graduate degree holder in Psychology/Social Work/Sociology Anthropology/Human development/Nursing with 1 years of experience in counselling/educating under National Health Programmes.

Desirable : Experience of working under the National AIDS and STD Control Programme (NASCP) facility or community settings & Good Computer Skills (MS Office)

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र एवं बायो-डाटा की मूल प्रति तथा 01 सेट छाया प्रति के साथ दिनांक 07.11.25 को समय प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक स्थान जिला क्षय रोग केन्द्र, कुतुबखाना, चौपला रोड, बरेली पर पहुंचना सुनिश्चत करें।

अध्यक्ष/सचिव
चेतना सेवा संस्थान, बरेली
मो. 8799261418

कार्यालय ग्राम पंचायत डूंगरपुर विकासखंड फतेहगंज पश्चिमी (बरेली)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डूंगरपुर की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/ग्राम निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु सीलवन्द निविदाऐं 02.11.2025 से 05.11.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर अपरान्ह 2 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिन 0.11.2025 को शाम 4 बजे ग्राम पंचायत अध्यक्ष/प्रधान एवं समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1.	टीकाराम की जगह से नरेन्द्र के मकान तक सी सी नाली निर्माण	ईंट, रोड़ा, बजरी, बजरफुट, सीमेन्ट रेता, सरिया आदि	392779.00
2.	सुखलाल के घर से सोमपाल के मकान तक सीसी नाली निर्माण।	ईंट, रोड़ा, बजरी, बजरफुट, सीमेन्ट, रेता, सरिया आदि।	398908.00

नियम व शर्तें :- 1. निविदादाता निविदा के साथ पैन की छाया प्रति आवश्यक रूप से संलग्न करेंगे 2. समस्त सामग्री आर.ई.डी./पी.डब्लू.डी. के अनुसार आपूर्ति की जायेगी। 3. निविदादाताओं को सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर करनी होगी। जिसका अलग से कोई भी भाड़ा देय नही होगा। 4. किसी भी समय निविदा ग्राम पंचायत द्वारा निरस्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान - श्रीमती नीरज कुमारी **सचिव - श्री पीयूषकांत गौतम**

कार्यालय जिलाधिकारी, खीरी।

(खनन अनुभाग)

संख्या–3009 /खनिज/विज्ञप्ति–सा0 बालू/2025–26 दिनांक 30–10–2025

ई–निविदा सह– ई–नीलामी आमंत्रण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद–खीरी में प्रवाहित नदियों के तल में बालू के निम्न विवरण के अनुसार रिक्त खनन क्षेत्रों को उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के नियम–23 के उप नियम–(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत उपलब्ध घोषित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के अध्याय–4 के नियम 23(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत ई–निविदा सह–ई–नीलामी प्रणाली के माध्यम से खनन पट्टे पर स्वीकृत किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्र उपलब्ध है–

1– क्षेत्र का विवरण :–

क्र0 सं0	उपखनिज का नाम	नदी का नाम	क्षेत्र का विवरण: तहसील	ग्राम	गाटा सं0/खण्ड सं0/जोन सं0	क्षेत्रफल (है0 में)	जियो कोआर्डिनेटस	नियमावली 2021 के अनुसूची–1 के अनुसार रायल्टी दर (रू0 प्रति घनमीटर)	खनन योग्य आकलित उप खनिज का भण्डार (घनमी0 प्रतिवर्ष)	प्रथम वर्ष में आकलित भण्डार की कुल रायल्टी रूपयों में (कालम–9 में अंकित घनमी0 प्रतिवर्ष को कालम– 10 में अंकित रायल्टी की दर से गुणा करने पर उपलब्ध सकल धनराशि) (रूपये में)	अनेष्टमनी (कालम 11 में अंकित सकल धनराशि का 25 प्रतिषत) (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
01	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183अ	13.06है0	A-28° 7'13.18 ''N 80° 50'40.28''E B-28° 7'9.51 ''N 80° 51'3.24''E C-28° 6'59.17 ''N 80° 50'59.16''E D-28° 7'4.58 ''N 80° 50'47.22''E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
02	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183अ	13.06है0	A-28° 7'9.51 ''N 80° 51'3.24''E B-28° 6'59.17 ''N 80° 50'59.16''E C-28° 6'50.82 ''N 80° 51'9.91''E D-28° 7'2.99 ''N 80° 51'14.38''E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
03	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	193अ	13.47है0	A-28° 7'6.61''N 80° 51'31.76''E B-28° 7'4.64''N 80° 51'42.40''E C-28° 7'1.67''N 80° 51'45.87''E D-28° 6'52.34''N 80° 51'39.19''E E-28° 6'57.42''N 80° 51'27.47''E	55.00	175110.00	96,31,050.00	24,07,763.00

ई–निविदा सह ई–नीलामी की कार्ययोजना एवं अवधि निम्नानुसार सम्पादित की जायेगी :–

प्रेस विज्ञप्ति (विज्ञप्ति का प्रकाशन)	01.11.2025
प्रथम चरण ई–निविदा (ई–टेण्डर) की अवधि	दिनांकः 02.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से 06.12.2025 (अपरान्ह 17:00 बजे) तक
प्रथम चरण में प्राप्त ई–निविदा (बिड) का खोला जाना एवं उसका मूल्यांकन	08.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से कमांक–1 से 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से कमांक–3 विज्ञापित क्षेत्र
द्वितीय चरण ई–नीलामी की अवधि।	08.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक कमांक–1 एवं 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक कमांक–3

ई–निविदा सह ई–नीलामी से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी ऑनलाइन एम0एस0टी0 सी0 के ई आक्शन पोर्टल WWW.mstcecommerce.com पर अपलोड करा दिया गया है। जिसे सम्बन्धित सभी निविदादाता/बोलीदाता द्वारा देखा जा सकता है। उक्त से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में खनिज कार्यालय लखीमपुर खीरी एवं कार्यालय अपर जिलाधिकारी वि0एवं रा0 कलेक्ट्रेट खीरी से प्राप्त की जा सकती है।

UP – 239730 **दिनांकः** 31/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(दुर्गा शक्ति नागपाल)
जिलाधिकारी
लखीमपुर–खीरी।

अमृत विचार

रविवार, 2 नवंबर 2025

सालाही सालाहि एती
सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि
समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनालिटी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनालिटी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे हैं कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उन पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300 दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छौंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48% बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि गत वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318.60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ।

● चावल की कीमत 33 रुपये घटी गेहूं चार रुपये हुआ कमजोर

पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

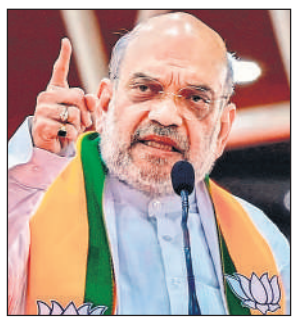

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

दुर्लभ मामले में पॉक्सो की कार्यवाही हुई निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल कर उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने कहा कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) से हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है। वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

साहित्यकार रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक व प्रकाशक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे।

मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल, भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सोनी पांडे, मशहूर नाटककार प्रताप सहगल, डॉ. पवन माथुर, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी पूर्व महानिदेशक आकाशवाणी, डॉ. रेनू यादव, मशहूर ग़ज़लकार नरेश शांडिल्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक अनिल जोशी, साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन के अशोक शर्मा आदि शामिल हुए।

रांची से स्वच्छता और एकता का संदेश

रांची, अमृत विचारः केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा जेएन कॉलेज, धुर्वा में राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी रहा।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना पर बल दिया। रेल मंडल की वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने सतर्कता शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहलों 'रेल मदद' ऐप, सीसीटीवी निगरानी और वेस्ट टू आर्ट जैसी परियोजनाओं की जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह, सीसीएल रणधीर सिंह, सहायक आयुक्त अमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा, सीआईएसएफ के अरविंद पाठक, बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने सभी को संबोधित किया। जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित विद्यार्थी, शिक्षक और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कंचन प्रिया, रूपा कुमारी, राज स्मिता सिन्हा, हेरम्बी होरो और दीप्ति मिंज ने क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान पाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

काहिरा, एजेंसी

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

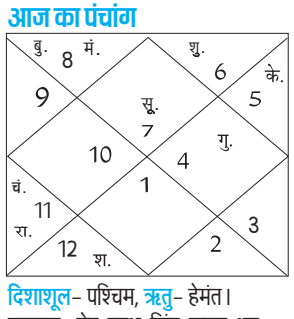

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष: आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष: आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन: आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क: आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह: आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या: आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला: आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक: आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु: आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर: आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ: आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन: आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

बरेली, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

जेमिमा रॉड्रिग्स।

इतिहास रचने को तैयार भारत

महिला विश्व कप : भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में खिताबी सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है। भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था।

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी। महिला विश्व कप के फाइनल में यह पहला मौका है जब खिताबी मुकाबला ऐसी दो टीमों के बीच होगा जो कभी चैंपियन नहीं रही है।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इन दोनों मैचों के अलावा उसने हर मुकाबले में दबदबे वाला प्रदर्शन किया। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजों की मुफीद पिच पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है। सेमीफाइनल में भारतीय जीत की नायिका रहीं, जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 127 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) से टीम इस तरह की एक और पारी की उम्मीद करेगी तो वहीं शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना भी शानदार लय में है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलवार्ड्ट (470 रन) के बाद 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। मंधाना को हालांकि शीर्ष क्रम पर प्रतिका रावल (308 रन) की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उनकी जगह टीम में शामिल हुई युवा शेफाली वर्मा सेमीफाइनल में बल्ले से उपयोगी योगदान देने में नाकाम रही, लेकिन वह किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बना सकती है। शेफाली विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी नहीं थी, ऐसे में वह इस चयन को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगी। हरफनमौला दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर रिचा घोष और अमनजोत कौर ने टूर्नामेंट में कई मौकों पर तेजी से रन जुटाये हैं और फाइनल में भी उन्हें इसे जारी रखना होगा। भारत की असल चिंता गेंदबाजी है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है। नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायोन जैसी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर टीम को मुश्किलों से निकाला है। टीम लीग चरण में भारत पर मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। भारत के खिलाफ डी क्लार्क और ट्रायोन ने आक्रामक साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ा था। डी क्लार्क ने इस मुकाबले में 54 गेंद में नाबाद 84 रन की यादगार पारी खेली थी। यह विश्व कप के पिछले तीन मैच में दक्षिण अफ्रीका की भारत के खिलाफ तीसरी जीत थी।

भारत ने नवी मुंबई में बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का विकल्प चुन सकती है। लेकिन फाइनल का दबाव लक्ष्य का पीछा करने को कठिन बना सकता है। मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और तीन नवंबर को इसके लिए रिजर्व-डे रखा गया है। रिजर्व-डे को भी अगर मैच नहीं हो पाता है दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। इसकी संभावना हालांकि कम है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 154 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 166 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन